A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 26 मई, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 233, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

दहका दिन

भोपाल में नौतपे का पहला दिन और सूनी सड़कें। फोटो: प्रवीण वाजपेई

सुप्रभात

जला ही देगी आज तो, किये प्रतिज्ञा भीष्म,
रणभूमि में आ गई, आग लगाती ग्रीष्म।
सूख गई तुलसी घनी,सूख गये हैं रूख,
धरती प्यासी ग्रीष्म में, हरियायी है भूख ।
मेंड़े चटकी खेत की, धरती हुयी उजाड़,
उजड़े जंगल ग्रीष्म में, नंगे लगें पहाड़ ।
धरती की छाती फटी, मौसम है बेपीर,
आंखों से भी न झरे, आंसू बन के नीर।
नदिया सूखी जल भरी, हिरना है बेचैन,
छलके कब काली घटा, प्यासे सबके नैन।
मर जाते हैं जानवर,प्यास से हो बेचैन,
पक्षी गिरते पेड़े से, आग दिवस औ रैन।
सुबह-सुबह आकाश से,बरस रही है आग,
घबरा कर सूखा अरुण, मुंह से बहता झाग।
गरम-गरम लू चल रही, उड़े धूल ही धूल,
धरती है जलता तवा, सूरज है प्रतिकूल।
गरमी में अनहोरियॉ, जैसे पेड़ बबूल,
अरुण देह को फोड़ कर, उग आये हैं शूल।
अंग-अंग से फूटता, जैसे बरसे मेह,
अरुण पसीना ग्रीष्म में, शीतल करता देह।

– अरुण अपेक्षित

नौतपा शुरू, गर्मी-हीटवेव बढ़ी

महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी 47.2 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म, मप्र.यूपी के 8 शहरों में पारा 45 डिग्री पार

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश में नौतपा की शुरुआत हो गई है। इसका मतलब है कि अगले 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी। हीटवेव और तापमान भी बढ़ेगा। तापमान 45 डिग्री से ज्यादा बना रह सकता है।

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का ब्रह्मपुरी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.6 डिग्री ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में बांदा 46.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म जिला रहा। इसके अलावा प्रयागराज और उरई में 45.6 डिग्री, झांसी में 45.6डिग्री, आगरा में 45.4 डिग्री और हमीरपुर में 45.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मप्र के दो शहरों, नौगांव और खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में 29 मई से मौसम बदल सकता है। बारिश की संभावना है। हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने की आशंक है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उमस भरी गर्मी परेशान करेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, केरलम, लक्षद्वीप, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक, बंगाल में गरज के साथ तूफान का अलर्ट है।

‘वाग्देवी लोक’ एवं ‘राजा भोज शोध संस्थान’ बनने से ऐतिहासिक धारा नगरी का वैभवशाली अतीत जीवंत हो उठेगा

सीएम मोहन यादव ने भोजशाला के लिए संघर्षरत शहीदों के परिजनों का किया सम्मान, 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा

राजेश शर्मा, धार। गंगा दशहरा की पावन बेला ऐतिहासिक धरा धारा नगरी के लिए इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो गई। आज का दिन कई वर्षों की तपस्या और संघर्ष के बाद आया हो जिसका इस ऐतिहासिक धरा को सदियों से इंतजार था। भोजशाला में ‘वाग्देवी लोक’ ‘राजा भोज शोध संस्थान’ बनने से ऐतिहासिक धारा नगरी का वैभवशाली अतीत जीवंत हो उठेगा। राजा भोज की नगरी धार में भोजशाला में दर्शन करने का अवसर सदियों बाद प्राप्त हुआ है। विक्रम संवत् 2083 में भोजशाला के दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ है और विक्रम संवत् 2082 की वसंत पंचमी से धार का इतिहास बदलना प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर उक्त उद्गार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ‘विरासत से विकास’ की अवधारणा पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में न्यायालयों के निर्णयों को सम्मानपूर्वक लागू करने के अनेक उदाहरण सामने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आधार पर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, उसी प्रकार मध्यप्रदेश में उच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर भोजशाला में वर्षों बाद दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसे धार की जनता ने सहजता और सौहार्द्र के साथ स्वीकार किया है।

भोजशाला में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य तथा निरंतर उन्नति की कामना की

मध्यप्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और प्राचीन धार्मिक चेतना के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। राज्य सरकार प्रदेश के इन ऐतिहासिक और आध्यात्मिक केंद्रों के वैभव को पुनर्स्थापित करने के लिए निरंतर संकल्पित है। इसी कड़ी में, प्रदेश की सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा के ऐतिहासिक केंद्र धार को एक नया संबल मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भोजशाला परिसर में उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद प्रथम बार पहुँचकर ज्ञान की देवी मां वाग्देवी (सरस्वती) के पवित्र स्थान पर श्रद्धाभाव के साथ विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य तथा निरंतर उन्नति की कामना की।

पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला राजा भोज के काल से ही शिक्षा, कला, साहित्य और सनातन चेतना का एक महान विश्वविद्यालय रही है। उन्होंने कहा कि ÷भोजशाला सिर्फ पत्थरों का ढांचा या कोई साधारण स्मारक नहीं है, बल्कि यह हमारी सदियों पुरानी जीवंत संस्कृति, विद्वता और करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है।

ऐतिहासिक देवीजी तालाब पर किया श्रमदान, ‘जल गंगा संवर्धन अभियान’ के तहत दिया जल संरक्षण का संदेश- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित ‘जल गंगा संवर्धन अभियान’ के अंतर्गत ऐतिहासिक देवी सागर तालाब (देवीजी तालाब) पर पहुँचकर स्वयं श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं फावड़ा चलाकर तालाब परिसर की साफ-सफाई की और उपस्थित जनसमुदाय को जल संरचनाओं को सहेजने का संकल्प दिलाया।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने पत्नी जेनेट के साथ ताजमहल को निहारा

- पूछा-ताजमहल कितने लोगों ने बनाया,बोलीं- अगली बार बच्चों को लेकर आऊंगी

आगरा (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट रूबियो के साथ सोमवार को ताजमहल देखा। दोनों ने डायना बेंच पर बैठकर फोटो खिंचवाए। 41 डिग्री तापमान में मार्को और जेनेट 45 मिनट तक ताजमहल परिसर में घूमे। जेनेट ने ताज को देखकर कहा- बेहद खूबसूरत। गाइड नितिन सिंह से दोनों ने ताजमहल की नक्काशी के बारे में जानकारी ली और कई सवाल पूछे। नितिन ने बताया कि मार्को और जेनेट बहुत खुश थे। ताजमहल की खूबसूरती और आर्किटेक्चर से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने बताया- मार्को ने पूछा कि ताजमहल को बनाने में कितने लोग लगे थे।

कश्मीर- गुलमर्ग रोपवे अचानक रुका

हवा में अटके 300 पर्यटक सुरक्षित निकाले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर का प्रसिद्ध गुलमर्ग रोपवे (गुलमर्ग गोंडोला) सोमवार को बड़ी तकनीकी खराबी आ गई। इससे रोपवे की सभी केबिन बीच हवा में रुक गई। करीब 300 पर्यटक फंस गए थे। लोगों में अफरा-तफरी मची हुई थी। कई पर्यटक घबराकर रोने लगे और नीचे उतारने के लिए चिल्लाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बच्चों और बुजुर्गों में सबसे ज्यादा डर का माहौल देखा गया। घटना

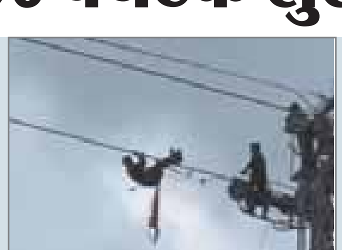

की सूचना मिलते ही श्रीनगर से स्पेशल रेस्क्यू टीमें मौके पर भेजी गई हैं। भारतीय सेना भी मौजूद है। सेना, पुलिस और प्रशासन ने बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है।

सीएम बोले- पर्यटक सुरक्षित, एलजी ने कहा- हालात पर मेरी नजर- घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सभी केबिन और उसमें फंसे पर्यटक सुरक्षित हैं। लोगों को बाहर निकालने के लिए प्रशिक्षित टीमें ऑपरेशन चला रही हैं। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

800 फीट गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत

कर्नाटक में नदी में डूबने से 11 की जान गई

रायगढ़/भटकल (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में रविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकरी मिली। इधर, कर्नाटक के भटकल में टट्टीहक्कल नदी में सीप इकट्ठा करते समय डूबने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20°c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 26 मई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

11 दिन में चौथी बार बढ़े दाम

● महंगाई बढ़ने की आशंका, विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

पीएम मोदी पारले बिस्किट-चॉकलेट के विज्ञापनों में बिजी: खरगे - कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के मंगलवार को दिल्ली पहुंचकर पार्टी नेतृत्व से मुलाकात करने की खबरों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस मसले पर अंतिम टिप्पणी राहुल गांधी करेंगे। हालांकि उन्होंने केंद्र सरकार को पेट्रोल-डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर घेरते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा ।खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पारले बिस्किट और चॉकलेट के विज्ञापनों और प्रचार में ज्यादा व्यस्त हैं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने को लेकर गंभीर नजर नहीं आते।

राजस्थान में अमेरिकी डेलीगेशन

जयपुर में रूबियो ने देखा ऐतिहासिक आमेर किला, भारत की शाही विरासत से हुए हैरान

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो सोमवार दोपहर राजस्थान की राजधानी जयपुर पहुंचे, जहां उन्होंने पत्नी जीनेट रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ ऐतिहासिक आमेर किला का दौरा किया। जयपुर पहुंचने के बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सीधे आमेर किले पहुंचा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच रुबियो और उनकी पत्नी ने किले के कई हिस्सों का भ्रमण किया और

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा। आमेर किला राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में गिना जाता है। अरावली की पहाड़ियों पर स्थित यह किला अपनी भव्य राजपूत वास्तुकला, विशाल दरवाजों, नक्काशीदार दीवारों और शाही महलों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। आमेर किला भारतीय और मुगल स्थापत्य शैली का अद्भुत संगम माना जाता है। लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बने इस किले में राजसी वैभव की झलक साफ दिखाई देती है।

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के घर पुलिस की छापामारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पुलिस की टीम ने छापामारी की है। पुलिस ने अभिषेक बनर्जी के घर से मॉनिटर समेत कई चीजें जब्त की हैं और उन्हें अपने साथ लेकर चली गई। अभिषेक बनर्जी का घर 188-ए हरीश मुखर्जी रोड पर स्थित है। 25 मई को कोलकाता पुलिस टीम अभिषेक बनर्जी के घर पर पहुंची और मॉनिटर समेत कई सामान लेकर चली गई। इस मामले में बताया जा रहा है कि कोलकाता नगर निगम की तरफ से अवैध निर्माण को लेकर नोटिस जारी किया गया था।

धर्मेन्द्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान

● हेमा मालिनी को अवॉर्ड लेते देख फफक पड़ीं बेटी अहाना ● महिला क्रिकेट की वर्ल्ड चैंपियन हरमनप्रीत को पद्मश्री मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। सबसे पहले दिवंगत फिल्म स्टार धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी एक्ट्रेस-सांसद हेमा मालिनी ने यह सम्मान लिया। जब हेमा ने यह सम्मान रिसीव किया तो उनकी बेटी आहना की आंखों से आंसू छलक उठे।

महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनकी लीडरशिप में इसी साल टीम ने वनडे वर्ल्डकप जीता था।साल 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, 65 विजेताओं को अगले फेज में सम्मानित किया जाएगा, जिसकी तारीखें अभी सामने नहीं आई हैं।

● **के. पजनीवेल ने जमीन पर लेटकर पीएम मोदी को प्रणाम किया**- के. पजनीवेल को पारंपरिक मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने जमीन पर लेटकर पीएम मोदी को प्रणाम किया।

● **वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को पद्मश्री**- वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को देश भर में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

● **पद्म विभूषण से 5 दिग्गज सम्मानित**- इस साल पद्म विभूषण से पांच लोगों को सम्मानित किया गया है। धर्मेंद्र के अलावा, दूसरे क्षेत्रों में दिग्गजों को ये अवॉर्ड दिया गया है। इसके अलावा, मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियों को पद्म पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। सिनेमा और संगीत में उनके योगदान के लिए ममूटी और अलका याग्निक को पद्म भूषण से नवाजा गया ।वहीं, प्रोसेनजीत चटर्जी, आर माधवन और दिवंगत अभिनेता सतीश शाह को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया। एक्टर अनिल रस्तोगी भी इस वर्ष पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों में शामिल थे।

शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण- झारखंड के पूर्व सीएम और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

रोहित शर्मा-हरमनप्रीत कौर को मिला पद्म श्री अवॉर्ड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। दरअसल, सरकार ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की थी। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोमवार के पहले फेज में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। जिन हस्तियों को पद्म श्री से सम्मानित किया गया है, उनमें अभिनेता आर माधवन, क्रिकेटर रोहित शर्मा, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और हॉकी प्लेयर सविता पूनिया के अलावा पैरा एथलीट प्रवीण कुमार शामिल हैं। खास बात यह है कि पद्म पुरस्कार विजेताओं में 19 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ ही 16 ऐसी हस्तियां हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए गए हैं।

● नीट पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट सख्त,कहा-

एनटीए ने अब तक सबक नहीं सीखा, सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- यह दुखद है कि एनटीए ने पहले हुए पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा,यह मामला 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने कई सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार भी किया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीए गुरुवार तक हलफनामा दाखिल करे और बताए कि 2024 में दिए गए निर्देशों और मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों पर क्या कदम उठाए गए। साथ ही केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा है।

● **कुत्तों के मामले पर सीएम मान के बयान को लेकर सुनवाई से साफ इनकार**- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को मारने की ''खुली छूट'' दे दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में सुनवाई का अनुरोध करने वाले वकील से कहा कि अगर कोई मुख्यमंत्री इस तरह का बयान देता है तो क्या इसका मतलब यह है कि हमें अपना आदेश बदलना चाहिए? वकील ने बताया कि आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के 19 मई के आदेश के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर ट्वीट किया था कि शीर्ष अदालत ने ''आवारा कुत्तों को मारने की खुली छूट दे दी है।

एक्ट्रेस ट्विशा केस

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

जबलपुर/भोपाल/दिल्ली (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा

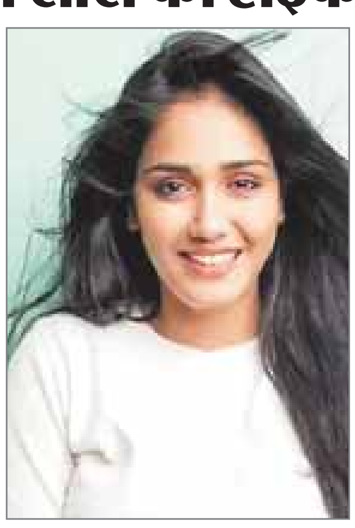

कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं।

बहन को बचाने कुएं में कूदा भाई, दोनों की मौत

छतरपुर में नहाते समय पैर फिसलने से गिरी किशोरी; बड़े भाई ने पानी में उतराते देखे शव

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर जिले के लवकुश नगर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बागवान में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत पर बने कुएं में नहाते समय 13 वर्षीय किशोरी का पैर फिसल गया। उसे बचाने के लिए 15 वर्षीय सगा भाई भी कुएं में कूद गया, लेकिन गहरे पानी में डूबने से दोनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मुस्कान राजपूत सुबह घर के पास खेत पर बने कुएं पर नहा रही थी। कुएं में सुरक्षा के लिए मुंडेर (बाउंड्री) नहीं बनी थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी। उसे डूबता देख पास ही खड़ा उसका भाई सत्यजीत राजपूत भी बहन को बचाने के लिए तुरंत कुएं में कूद गया।

गहरे पानी के कारण बाहर नहीं निकल सका सत्यजीत- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सत्यजीत ने अपनी बहन को बचाने का काफी प्रयास किया। कुएं की गहराई और पानी अधिक होने के कारण वह खुद भी बाहर नहीं निकल सका। देखते ही देखते दोनों भाई-बहन गहरे पानी में डूब गए।

बड़े भाई ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया

घटना का पता तब चला जब दोनों का बड़ा भाई निरंजन राजपूत कुएं के पास पहुंचा। पानी में भाई-बहन के शव उतराते देख उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों को कुएं से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत लवकुश नगर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

यूपी में पहली बार पंचायत चुनाव तक प्रधान रहेंगे प्रशासक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में पंचायत चुनाव होने तक ग्राम प्रधान ही प्रशासक रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दे दी है। प्रदेश में पहली

बार प्रशासनिक समिति बनाई जाएगी। मतलब- पंचायत चुनाव तक गांवों के विकास कार्यों की जिम्मेदारी मौजूदा प्रधानों के पास ही रहेगी। पंचायती राज विभाग आज, सोमवार देर शाम तक इसका आदेश जारी कर देगा। यूपी की सभी 57 हजार 694 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल मंगलवार (26 मई) को खत्म हो रहा है।

ट्रम्प ने मोदी को महान बताया, पीएम मेरे अच्छे दोस्त, मैं उनका बहुत बड़ा फैन

● भारत मुझ पर 100 प्रतिशत भरोसा कर सकता है

वॉशिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को अपना महान दोस्त बताया और कहा कि वे मोदी के बहुत बड़े फैन हैं। ट्रम्प ने कहा कि भारत अमेरिका पर 100 प्रतिशत भरोसा कर सकता है।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में ट्रम्प ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को फोन करके लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-मुझे भारत से प्यार है। आपको (एम्बेसडर गोर) हमारे देश के प्रतिनिधि के तौर पर अच्छी स्पीच देनी होगी। मैं सबको गुड इवनिंग कहना चाहता हूं। मुझे प्रधानमंत्री से प्यार है। पीएम मोदी महान हैं, वह मेरे दोस्त हैं। मोदी को हैलो कहो। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। ट्रम्प ने कहा- हम पहले कभी इंडिया के इतने करीब नहीं रहे। अगर उन्हें कभी मदद की जरूरत पड़ी, तो उन्हें पता है कि कहां कॉल करना है। वे यहीं कॉल करते हैं।

ऋषिकेश आई विदेशी महिला का खोया मोबाइल और बैग

● जब देहरादून पुलिस ने लौटाया तो लगा लिया गले!

देहरादून (एजेंसी)। 'देवभूमि' कहे जाने वाले उत्तराखंड में हर साल अच्छी संख्या में विदेशी पर्यटक घूमने आते हैं। जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उत्तराखंड पुलिस की होती है। हाल ही में इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में देहरादून पुलिस को अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए देखा गया है। जिसमें वह विदेशी महिला को उसका खोया हुआ सामान लौटाते नजर आ रहे हैं। जिससे महिला भी बेहद खुश दिख रही है।

ऋषिकेश घूमने आई विदेशी महिला अपना मोबाइल, जरूरी डॉक्यूमेंट्स और पैसों से भरा बैग खो देती है। जरूरी डॉक्यूमेंट्स में उसका पासपोर्ट भी होता है, जिसका मिलना बेहद जरूरी होता है। साथ ही, भारत आने वाले विदेशी अक्सर कैश ही इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि वो पीआई को इतने अच्छे से एडॉप्ट नहीं कर पाते। ऐसे में अपना सामान खोने के बाद विदेशी महिला बेहद चिंतित होती है।

अपना मोबाइल और सामान वापस पाने के बाद विदेशी महिला इतनी खुश होती है कि वह पुलिस को अपने गले लगा लेती है। लेकिन पुलिसवाला किसी जेंटलमैन की तरह अपनी ड्यूटी पूरी करके मुस्कुराते हुए खड़ा रहता है। अपने बैग में पासपोर्ट पाकर महिला उसे सीने से लगा लेती है। फिर वो और उसका साथ पुलिस को शुक्रिया कहते हैं और अंत में पुलिस के साथ ढेर सारी तस्वीरें भी खिंचवाती है। लोग के कह रहे हैं ये है हमारा भारत।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में तीसरे दिन भी सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के ऑपरेशन आज तीसरे दिन भी जारी है। डोरी माल एनकाउंटर साइट पर सुबह से गोलीबारी और भारी धमाके शुरू हो गए हैं। आतंकियों को पूरी तरह खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों ने डोरी माल के इस घने जंगल वाले पूरे इलाके में घेराबंदी और मजबूत कर दी है। मौके पर सेना और अतिरिक्त सुरक्षा बल की टुकड़ियों को भेजा गया है। शनिवार को दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों से मुठभेड़ हुई थी। जंगलों में 2-3 पाकिस्तानी आतंकियों के घिरे होने की खबर थी। तब से जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी है।

चीन बोला- भारत दलाई लामा उत्तराधिकारी मामले से दूर रहे

● यह हमारा आंतरिक मासला, तिब्बत मुद्दे में बाहरी दखल मंजूर नहीं

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने भारत को दलाई लामा के उत्तराधिकार के मुद्दे से दूर रहने की सलाह दी है। बीजिंग ने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने बयान जारी कर कहा कि दलाई लामा का पुनर्जन्म सदियों पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक परंपराओं के तहत होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए चीन की केंद्रीय सरकार की मंजूरी जरूरी होती है और 14वें दलाई लामा को भी इसी प्रक्रिया के तहत मान्यता दी गई थी। चीनी दूतावास ने भारत को तिब्बत पर अपने पुराने रुख की याद भी दिलाई। बयान में कहा गया कि भारत को तिब्बती स्वतंत्रता से जुड़ी गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध नहीं कराना चाहिए। यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-चीन संबंधों के लिए जरूरी है।

ओडिशा में बीजेडी को बड़ा झटका

राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी छोड़ी; भाजपा में होंगे शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) को बड़ा झटका देते हुए राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी और संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। लंबे समय से नवीन पटनायक के करीबी माने जाने वाले सामंतराय ने आरोप लगाया कि पार्टी में उन्हें व्यवस्थित तरीके से कमतर किया जा रहा था। देबाशीष सामंतराय ने पहले बीजेडी छोड़ने की घोषणा की। कुछ घंटे बाद संसद में राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने जल्द भाजपा में शामिल होने की घोषणा भी की।

इंदौर का हनी ट्रैप गिरोह चार राज्यों में फैला छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर का नाम आया

इंदौर। हनीट्रैप का मामला अब बेहद गंभीर मोड़ पर आ गया, जिसने 2019 के बड़े राजनीतिक-प्रशासनिक विवाद की यादें फिर से ताजा कर दी। अब इस पूरे प्रकरण के तार मध्य प्रदेश के साथ-साथ छत्तीसगढ़, गुजरात और देश की राजधानी दिल्ली से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। इस बहुराज्यीय नेटवर्क में जांच कर रही एजेंसियों की कार्रवाई के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस के एक डीआईजी दर्जे के अधिकारी की संलिप्तता की सुगबुगाहट तेज हो गई है। जांच टीम ने अभी तक किसी भी अधिकारी के नाम का औपचारिक खुलासा नहीं किया है। लेकिन, इस संकेत से ही पुलिस और प्रशासनिक गलियारों में बेचैनी का माहौल है। जांच दल के हाथ इस गिरोह के पास से नेताओं, रसूखदार अफसरों और नामचीन व्यापारियों से जुड़े 100 से अधिक आपत्तिजनक वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्य लगे हैं। जैसे-जैसे यह तफ्तीश आगे बढ़ रही है, नए और चौंकाने वाले तथ्य खुलकर सामने आ रहे हैं, जो यह साफ करते हैं कि इस गिरोह का जाल केवल एक शहर तक सीमित नहीं था।

जालसाजी की परतें खुलीं

शुरुआती छानबीन में यह बात सामने आई कि यह गिरोह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और दिल्ली में बेहद सुनियोजित तरीके से सक्रिय था। पुलिस की मानें तो इस गिरोह का मुख्य ठिकाना भोपाल था, जहां से पूरे नेटवर्क को नियंत्रित किया जाता था। गिरोह के सदस्य रसूखदार और प्रभावशाली लोगों को चिह्नित करते, फिर उनसे नजदीकी बढ़ाकर उन्हें अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन एकांत क्षणों के वीडियो बनाकर उन्हें बदनाम करने की धमकी दी जाती और मोटी रकम वसूली जाती थी। इस मामले में श्वेता विजय जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित जैसी महिलाओं की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी लंबे समय से इस अवैध काम में लिप्त थे और सबके काम बंटे हुए थे। इसमें रेशू चौधरी का काम मुख्य रूप से शिकार बनाए जाने वाले व्यक्ति से संपर्क साधना और उसका भरोसा जीतना था। जबकि, बाकी सदस्य पैसों के लेन-देन और पूरे घटनाक्रम की योजना बनाने का काम संभालते थे।

नेताओं और रसूखदारों के आपत्तिजनक वीडियो मिलने से हड़कंप मचा

डिजिटल उपकरणों की जांच

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से उनके व्यक्तिगत मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। इन उपकरणों के भीतर से भारी मात्रा में वीडियो रिकॉर्डिंग और बातचीत के विवरण मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि इन वीडियो में कई बड़े चेहरे दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि ये वीडियो कब के हैं, कितने सही हैं। इनके साथ कोई छेड़छाड़ तो नहीं की गई। इसके लिए फोरेंसिक जांच की मदद ली जा रही है। इस गिरोह पर डरा-धमकाकर करोड़ों रुपए ऐंठने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह गिरोह सालों से इस तरह के अवैध काम कर रहा था। एक अहम बात सामने आई है कि दिल्ली के एक बड़े राजनेता से करीब 4 करोड़ रुपए वसूलने की पूरी तैयारी कर ली गई थी। यदि इन सभी सबूतों की पुष्टि कानूनी तौर पर हो जाती है, तो यह देश के सबसे बड़े ब्लैकमेलिंग मामलों में से एक माना जाएगा।

एक शिकायत से फूटा भांडा

इस पूरे गोरखधंधे का भंडाफोड़ तब हुआ जब इंदौर के एक स्थानीय व्यापारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर ने पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराई। व्यापारी का आरोप था कि 28 अप्रैल को सुपर कॉरिडोर इलाके में कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की और उनके निजी वीडियो को इंटरनेट पर डालने की धमकी देकर रुपयों की मांग की थी। इस शिकायत पर मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिस ने जब कुछ संदिग्धों को पकड़ा, तो इस बड़े नेटवर्क की कड़ियां जुड़ती चली गईं। इस मामले में अब तक जयदीप, लाखन चौधरी, पत्रकार जितेंद्र पुरोहित और हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा जैसे पुरुषों के नाम भी सामने आ चुके हैं। अब जांच एजेंसियां इस बात की भी गहराई से पड़ताल कर रही हैं कि इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस गिरोह को क्या किसी रसूखदार राजनेता या ऊंचे पद पर बैठे प्रशासनिक अधिकारी का वरदहस्त प्राप्त था। पुलिस का मानना है कि बिना किसी आंतरिक सहयोग के इतने राज्यों में इतने लंबे समय तक ऐसा नेटवर्क चलाना मुमकिन नहीं है। उधर, छत्तीसगढ़ के पुलिस महकमे में भी अपने वरिष्ठ अधिकारी का नाम आने के बाद आंतरिक चर्चाएं गर्म है। लेकिन, अधिकारियों का कहना है कि बिना पुख्ता सबूतों के किसी भी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। आने वाले दिनों में बैंक खातों के लेनदेन और फोन रिकॉर्ड की जांच के बाद कई और बड़े चेहरों से नकाब उतरने की पूरी उम्मीद है।

पानी बेचते पकड़ा गया निगम का टैंकर

इंदौर। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर नगर निगम ने पानी की कालाबाजारी करने वाले टैंकरों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। निगम से अनुबंधित टैंकर द्वारा पानी बेचते पाए जाने पर अब टैंकर जब्त करने के साथ संबंधित एजेंसी पर भारी पेनल्टी भी लगाई जाएगी। इसी कार्रवाई के तहत जोन-18 में उपयंत्री अर्पित मालवीय ने फील्ड निरीक्षण के दौरान अग्रसेन प्रतिमा चौराहे के पास एजेंसी जय मां आराधना एंटरप्राइजेज के ट्रैक्टर-टैंकर को निजी चिल्ड वाटर एजेंसी को पानी बेचते हुए पकड़ा। मौके पर कार्रवाई करते हुए टैंकर-ट्रैक्टर को जब्त कर निगम वर्कशॉप भेज दिया गया। नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर संबंधित एजेंसी पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। साथ ही वाहन की जब्ती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

मवेशियों से भरे 5 वाहन पकड़े

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में मवेशियों से भरे पांच आयशर वाहनों को पकड़ा गया। इन वाहनों में जानवरों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और सभी वाहनों को जब्त कर लिया। बायपास स्थित एक्जोटिका होटल के सामने ब्रिज पर पांच संदिग्ध वाहनों को रोका गया। रात करीब 8.15 बजे पांचों वाहनों को रोका तो इनमें बड़ी संख्या में मवेशी भरे हुए थे। मवेशियों को बिना पर्याप्त हवा और तंग हालत में ले जाया जा रहा था। जांच में सामने आया कि वाहन चालकों के पास मवेशियों के परिवहन से जुड़े जरूरी दस्तावेज मौजूद नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने शकील खान, जाकिर खान, जावेद खान, सईद खान सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने सभी मवेशियों को नगर निगम के हवाले कर दिया।

1.25 लाख की ऑनलाइन ठगी

इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में भी साइबर फ्रॉड का एक और मामला सामने आया है। पिपल्याहाना स्थित राजश्री अपार्टमेंट निवासी किरण माउला ने शिकायत दर्ज करवाई है कि मोबाइल एप के जरिए लिंक भेजकर उनके खाते से 1 लाख 25 हजार रुपए निकाल लिए गए। किरण के मुताबिक आरोपी ने एप के माध्यम से उन्हें झांसे में लिया और बैंक खाते तक पहुंच बना ली। तिलक नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक टकराने से देर रात मारपीट

इंदौर। दो युवक बाइक टकराने के बाद विवाद करने लगे। तुकोगंज थाना क्षेत्र में दोनों में जमकर मारपीट हुई। यह घटना रेसकोर्स रोड के पास की बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि रांग साइड से बाइक आने को लेकर कहासुनी शुरू हुई। वहां मौजूद राहगीरों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान की जा रही है। इसी रात गंगवाल बस स्टैंड के पास भी हंगामे की घटना सामने आई। पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान गुजरात नंबर की कार में सवार चार युवकों ने बैरिकेड्स तोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने कुछ दूरी पर उन्हें रोक लिया। युवकों को थाने लाया गया। इस दौरान युवकों ने पुलिस पर बिना वजह पकड़ने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। बाद में सभी पर शराब पीकर वाहन चलाने और प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई।

बच्चे का शव पानी की टंकी में मिला

इंदौर। खुडैल थाना क्षेत्र के जामनिया खुर्द में साढ़े तीन साल के बच्चे का शव मिला। बच्चा वहां खेलते-खेलते पहुंच गया था। मृत बच्चे का नाम हार्दिक पिता ललित लोवंशी है। जानकारी के अनुसार, हार्दिक शनिवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह घर के पास बनी खुली पानी की टंकी में गिर गया। काफी देर तक बच्चा दिखाई नहीं देने पर उसकी मां और परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। जब आसपास खोजबीन के बाद भी बच्चा नहीं मिला तो परिजनों की नजर खुली टंकी पर पड़ी। टंकी में झांककर देखने पर बच्चा पानी में पड़ा मिला। इसके बाद परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया।

गांजा पीते चार युवक पकड़े गए

इंदौर। विजयनगर पुलिस ने नशे और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई कर पांच आरोपियों को पकड़ा है। एक ओर जहां सार्वजनिक स्थान पर गांजा पीते चार युवकों को गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरी कार्रवाई में बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को भी पकड़ा। बीट भ्रमण और हॉटस्पॉट चेकिंग के दौरान पुराने आरटीओ ऑफिस के पास गांजा पी रहे रवि नाथ (32), निवासी अहिरखेड़ी, सुयश शर्मा (30) निवासी नंदा नगर, राज शुक्ला (26) निवासी करोलबाग तथा सत्यम द्विवेदी (27) निवासी स्कीम नंबर 54 को पकड़ा। दूसरी कार्रवाई 24 मई को रोबोट चौराहा क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस ने स्कूटी सवार को रोका और तलाशी लेने पर उसके पास से देशी प्लेन और मसाला शराब के 348 क्वार्टर मिले, जिनकी कीमत 30 हजार रुपए हैं, जब्त किए। मामले में राकेश दोहरे निवासी देवास को पकड़ा।

साइबर ठगी, खाते से 7.19 लाख निकाले

इंदौर। साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। सराफा थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवक के बैंक खाते से पांच महीने के भीतर 7 लाख 19 हजार रुपए निकाल लिए गए। खाते से पैसे निकलते रहे, लेकिन न तो मोबाइल पर कोई मैसेज आया और न ओटीपी की जानकारी मिली। मामले का खुलासा तब हुआ जब युवक कार खरीदने के लिए बैंक स्टेटमेंट निकलवाने पहुंचा। शक्कर बाजार निवासी वंश के पिता ललित श्रीमाल एक व्यापारी हैं। युवक का एसबीआई की इतवारिया बाजार शाखा में बचत खाता है। वंश ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 से 18 अप्रैल 2026 के बीच उसके खाते से अलग-अलग यूपीआई आईडी के जरिए 7 लाख से ज्यादा की रकम निकाल ली गई। इस दौरान किसी भी ट्रांजेक्शन का मैसेज, अलर्ट या ओटीपी उसके मोबाइल और ईमेल पर नहीं आया। वंश ने बताया कि वह 23 अप्रैल को नई कार खरीदने की तैयारी में बैंक स्टेटमेंट लेने पहुंचा था। स्टेटमेंट देखते ही उसके होश उड़ गए। खाते से लगातार बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने के बाद उसने तुरंत पुलिस से संपर्क किया।

रात तीन बजे लकड़ी मंडी में वन विभाग की दबिश, कार्रवाई हुई

डीएफओ के गश्ती रोस्टर के बाद रेंजर की चेकिंग

इंदौर। अवैध लकड़ी परिवहन पर शिकंजा कसने के लिए वन विभाग ने सोमवार देर रात बड़ा चेकिंग अभियान चलाया। डीएफओ द्वारा बनाए गए रोस्टर गश्ती दल के तहत रात करीब 3 बजे इंदौर लकड़ी मंडी में रेंजर संगीता ठाकुर और उनकी टीम ने सघन जांच कार्रवाई की। इस दौरान मंडी में आने-जाने वाले वाहनों को रोककर लकड़ी से संबंधित दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से लकड़ी मंडी में सक्रिय वन माफियाओं के हौसले बुलंद हो गए थे और वन विभाग तक लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं। इसके बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए देर रात विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया। कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध परिवहन करने वाले कई संदिग्ध वाहन और कथित वन माफिया मंडी से गायब दिखाई दिए।

रोज हो ऐसी चेकिंग

मंडी क्षेत्र के कुछ रहवासियों ने बताया कि लंबे समय बाद लकड़ी मंडी में इतनी सख्त जांच देखने को मिली। लोगों का कहना है कि यदि वन विभाग रोज इसी तरह रात में औचक चेकिंग करे तो अवैध लकड़ी कारोबार और वन माफियाओं की गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लग सकती है। वन विभाग की टीम ने कई वाहनों के परिवहन दस्तावेज, परमिट और लकड़ी से जुड़े रिकॉर्ड भी जांचे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इंदौर रेंज की रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि वन विभाग लगातार चेकिंग करता है और अवैध परिवहन रोकने के लिए कार्रवाई भी जारी है। यदि कोई शिकायत मिलती है तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देर रात सड़कों पर पुलिस एक्शन में, 462 बदमाशों पर कार्रवाई की

रात को शराब पीकर गाड़ी चलाने के 176 मामले पकड़े गए

इंदौर। असामाजिक गतिविधियों पर लगाम कसने पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार रात चेकिंग अभियान चलाया। देर रात तक चली इस कार्रवाई में गुंडे-बदमाशों, नशाखोर वाहन चालकों और अवैधानिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध और अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की जांच की। 462 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने हॉटस्पॉट, मल्टी और शैडो एरिया में निगरानी रखी तथा ड्रोन पेट्रोलिंग के जरिए संवेदनशील इलाकों पर नजर बनाए रखी। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 176 वाहन चालकों पर 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई। अधिकारियों का कहना है कि हादसों को रोकने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने यह अभियान जारी रहेगा। विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अपराधियों पर कार्रवाई की। अभियान में 35 स्थायी, 58 गिरफ्तारी और 78 जमानती वारंट शामिल रहे।

अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

चंदन नगर पुलिस ने आसिफ खान को देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। वहीं छत्रीपुरा पुलिस ने तलवार और सदर बाजार पुलिस ने चाकू के साथ आरोपियों को पकड़ा। राजेंद्र नगर, लसूड़िया और चंदन नगर थाना क्षेत्र से 91 क्वार्टर शराब बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते 9 और गांजा सेवन करते 4 आरोपियों पर कार्रवाई की गई।

बसों पर ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा, 449 लोक परिवहन बसों के चालान

कई बसों में फायर सेफ्टी और फर्स्ट एड बॉक्स तक नहीं मिले

इंदौर। शहर में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर इंदौर यातायात पुलिस ने लोक परिवहन बसों के खिलाफ विशेष चैकिंग अभियान तेज कर दिया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 21 मई से 27 मई 2026 तक चल रहे इस अभियान में शहर के चारों यातायात जोनों में बसों की सघन जांच की जा रही है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह और यातायात प्रभारी डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के दौरान अब तक 449 बसों पर चालानी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कई बसों में फायर सेफ्टी उपकरण और फर्स्ट एड बॉक्स नहीं पाए गए। वहीं अनाधिकृत स्थानों से सवारी बैठाने-उतारने, बिना वैध लाइसेंस वाहन संचालन, अवैध मॉडिफिकेशन और इमरजेंसी एग्जिट सही स्थिति में नहीं मिलने जैसी गंभीर लापरवाहियां भी सामने आईं। यातायात पुलिस ने बसों के आरसी, परमिट, फिटनेस, बीमा और चालक लाइसेंस सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी जांच की। अधिकारियों ने बस संचालकों और ड्राइवरों को ओवरलोडिंग से बचने, तय गति सीमा में वाहन चलाने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। यातायात पुलिस ने साफ किया है कि नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पानी की 1040 बोतलें जब्त, बिना बैच नंबर बिक रहा पैकेज्ड वाटर

जांच के सैंपल लिए; प्रिंटिंग मशीन खराब बताकर कारोबार

इंदौर। गर्मी के मौसम में पैकेज्ड पेयजल की बढ़ती मांग के बीच खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम टिकरिया राव स्थित एक्वा विंग पैकेज ड्रिंकिंग वाटर यूनिट से 1040 पानी की बोतलें जब्त की हैं। जांच के दौरान बोतलों पर बैच नंबर, निर्माण तिथि और उपयोग संबंधी जरूरी जानकारी अंकित नहीं मिली। विभाग ने मौके से पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने शिकायत मिलने के बाद यूनिट पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान वहां यश प्रेमचंदानी मौजूद मिले। पूछताछ में बताया गया कि प्रिंटिंग मशीन खराब होने के कारण बोतलों पर जरूरी जानकारी प्रिंट नहीं हो पा रही थी,इसके बावजूद बाजार में सप्लाई जारी थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बिना लेबलिंग वाली 1040 बोतलें जब्त कर लीं और प्रिंटिंग मशीन दुरुस्त होने तक यूनिट का संचालन तत्काल बंद करा दिया। विभाग ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। लगातार निरीक्षण में कई प्रतिष्ठानों पर वैध खाद्य लाइसेंस और पंजीयन में अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कारोबारियों को चेतावनी दी है कि बिना वैध लाइसेंस खाद्य कारोबार संचालित नहीं करें और लाइसेंस प्रतिष्ठान में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

युवती से मिलने पहुंचे नगर सैनिक पर हमला किया, पुलिस ने बचाया

चोरी और छेड़छाड़ के शक में रहवासियों ने उसे घेरकर पीटा

इंदौर। राजमोहल्ला क्षेत्र में रविवार शाम उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब युवती से मिलने पहुंचे होमगार्ड के नगर सैनिक को लोगों ने पकड़कर पीट दिया। रहवासियों ने उस पर चोरी और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से बचाकर थाने ले गई। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे की है। नगर सैनिक प्रशांत श्रीवास, जो द्वारकापुरी इलाके का रहने वाला है, एच कॉलोनी स्थित मकान पर पहुंचा था।

इसी दौरान वहां मौजूद लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होंने उसे पकड़ लिया। देखते ही देखते आसपास के लोग भी जमा हो गए और प्रशांत के साथ मारपीट शुरू कर दी। सूचना मिलने पर मल्हारगंज थाना क्षेत्र की एफआरवी मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाकर छत्रीपुरा थाने ले गई। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी थाने पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। प्रारंभिक पूछताछ में नगर सैनिक प्रशांत ने पुलिस को बताया कि उसकी मंगेतर के साथ राज मोहल्ला निवासी युवक ने कुछ समय पहले मारपीट की थी। वह उसी युवक को तलाशने के लिए इलाके में आया था। प्रशांत के मुताबिक, जैसे ही वह युवक के घर पहुंचा, वहां मौजूद लोगों और आसपास के रहवासियों ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। बचने की कोशिश में वह भागा, लेकिन इसी दौरान एक नाले में गिर गया।

संपादकीय

फालटा: बीजेपी की जीत के मायने

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद, चुनाव के दौरान ही फालटा विधानसभा में धांधली के आरोप के बाद फिर से कराए गए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी का जीतना तो तय ही था। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि यह जीत 1 लाख से ज्यादा अंतर से हुई और एक माह पहले तक सत्ता में रही टीएमसी का चौथे स्थान पर रहना है। हालांकि चुनाव के पहले तक दम भरने वाले टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने मतदान के पहले अपना नाम वापस ले लिया था, लेकिन उनका नाम ईवीएम में बना हुआ था। चुनाव मैदान से हटने के बाद भी जहांगीर खान को 7 हजार से अधिक वोट मिले। इन चुनाव नतीजों से साफ कर दिया कि अब राज्य में टीएमसी का आंतक लगभग समाप्त है। क्योंकि फालटा विस सीट उस डायमंड हार्बर लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है, जहां से ममता बैनर्जी के भतीजे अभिषेक चुनाव जीतते हैं। अभिषेक डायमंड हार्बर को बहुत सुरक्षित और आदर्श सीट होने का दावा करते रहे हैं। लेकिन उनकी पार्टी की भारी हार ने उनके दावे की भी हवा निकाल दी है। अगली बार वो खुद भी यहां से चुनाव से जीत पाएंगे, या नहीं, कहना मुश्किल है। फालटा में जहांगीर खान की छवि बाहुबली की है। लेकिन राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उसकी भी पोल खुल गई है। जहांगीर खान ने यह कहकर नाम चुनाव मैदान से हटने का ऐलान किया था कि मुख्यमंत्री ने फालटा के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की है। जबकि उनकी अपनी पार्टी टीएमसी ने इसे जहांगीर खान का व्यक्तिगत निर्णय और पार्टी से विश्वासघात निरूपित किया। टीएमसी नेताओं ने कहा कि चुनाव मैदान से हटने के फैसले पर पार्टी से सहमति नहीं ली गई। एक और महत्वपूर्ण बात फालटा सीट की जनसांख्यिकी है। यहां 66 फीसदी हिंदू, जिनमें 25 फीसदी दलित भी शामिल हैं तथा 34 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं। हिंदू-दलित वोट भाजपा प्रत्याशी देवांशु पांडा के पक्ष में एकजुट हुआ तो कुछ मुसलमानों ने भी बीजेपी को वोट दिए हैं। जबकि ज्यादातर मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी के बजाए सीपीएम के हिंदू प्रत्याशी संभूनाथ कुर्मी और कांग्रेस को वोट देना ज्यादा पसंद किया। चुनाव में दूसरे नंबर पर सीपीएम रही, जिसे राज्य में लगभग खत्म माना जा रहा था। ममता बैनर्जी के लिए यही सबसे बड़ी खतरे की घंटी है। फाल्टा विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे के दिन पूर्व मुख्यसमंत्री ममता बैनर्जी ने एक्स पर पोस्ट 32 मिनट लंबे वीडियो में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आपने भवानीपुर सीट कैसे जीती है, यह मैं अदालत में बताऊंगी। अगर आप में हिम्मत है तो फोरेंसिक जांच कराएं। मुझे ईवीएम की रिपोर्ट चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वोटों की हेराफेरी के कारण क़रीब डेढ़ सौ सीटों पर पासा पलट गया। ऐसा नहीं होता तो तृणमूल कांग्रेस को 220 से 230 तक सीटें मिलतीं। ममता जो भी कहें, इन नतीजों से साफ है कि राज्य की जनता उनके 15 साल के शासन से ऊब गई थी। फालटा पर बीजेपी की शानदार जीत इसलिए भी मायने रखती है, क्योंकि यह सीट टीएमसी का गढ़ मानी जाती रही है। इस बीच टीमएसी के भीतर घमासान शुरू हो चुका है। पार्टी नेतृत्व पर कार्यकर्ता और नेता सवाल उठाने लगे हैं। चुनावी जीत से भी ज्यादा ममता के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती है। वैसे राज्य अभी दो और विधानसभा सीटो पर उपचुनाव होने हैं। बीजेपी की कोशिश होगी कि उन पर भी जीत हासिल की जाए। इनमें से एक नंदीग्राम तो सीएम शुभेंदु अधिकारी की पक्की सीट ही है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बंगाल में राजनीतिक हिंसा रोकना सबसे बड़ी चुनौती

चौथी तस्वीर बताती है कि 15 वर्षों के तृणमूल कांग्रेस शासन के विरुद्ध बड़े वर्ग में व्यापक असंतोष था जिससे वे मुक्ति चाहते थे। दूसरी ओर इसका अर्थ यह भी है कि हिंसा की तस्वीरों से ज्यादा सकारात्मक लोक मानस पूरे प्रदेश में है। यह लोक व्यवहार आश्वस्त करता है कि बंगाल हिंसा के दौर से बाहर निकलेगा तथा शांति व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। किंतु यह यूं ही नहीं हो सकता। हालांकि प्रदेश में जगह-जगह कुछ हिंसा तो तृणमूल नेताओं द्वारा मकानों ,जमीनों, कार्यालयों पर कब्जे के संदर्भ में हुई जब लोग स्वयं निकलकर इसे मुक्त कराने लगे। इसी तरह हिंदुओं के कई धर्मस्थलों या धर्म स्थानों की मुक्ति के दृश्य भी सामने आए। कई जगह हमने देखा कि चुनाव परिणाम के बाद गांवों में कुछ लोग नारा लगाते हुए निकले और गुस्से में कोई तृणमूल का दिखा तो उसकी हल्की पिटाई कर दिया, उसके घर पर दो-चार डंडों का प्रहार कर फिर नारा लगाते चलते बने।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार गठन के बाद उम्मीद बंधी है कि चुनाव उपरांत हिंसा नियंत्रित होगी। चार राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव हुए जिनमें तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल एवं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी एवं घटकों की पराजय हुई। किंतु जैसा डरावना दृश्य पश्चिम बंगाल में दिखा वैसा कहीं नहीं। चुनाव परिणाम के बाद पश्चिम बंगाल से चार तरह की नकारात्मक और चिंताजनक तस्वीरें सामने आयीं। एक, चुनाव के बाद समस्त कोशिशें के बावजूद हिंसा की घटनाएं सामने आती रही। दूसरे, तृणमूल कांग्रेस और उसकी नेत्री ममता बनर्जी विनम्रता से जनादेश स्वीकारने की जगह कह रहीं हैं कि हमारी 100 सीटें चुनाव आयोग ने लूट लिया। तीन, विपक्षी नेताओं ने सबसे ज्यादा समर्थन और सहानुभूति तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी को दिया है। केरल से माकपा नेतृत्व वाले वाम मोर्चा की सत्ता चली गई लेकिन कोई उनके लिए छाती नहीं पीट रहा है। एमके स्टालिन और द्रमुक विपक्ष के साथ भाजपा विरोधी अभियान और आक्रामकता में लगातार शामिल रहा है लेकिन उनके साथ भी यह व्यवहार नहीं। इन दोनों राज्यों के नेताओं ने न चुनाव आयोग पर कोई आरोप लगाया और न कहा कि हम हारे नहीं। दोनों राज्यों की स्थिति बिलकुल सामान्य है। ममता बनर्जी ने तो यहां तक कह दिया कि मैं चुनाव हारी नहीं हूं इसलिए इस्तीफा नहीं दूंगी। अंततः राज्यपाल ने संवैधानिक शक्ति का दुरुपयोग करते हुए उन्हें बर्खास्त किया। यह भारतीय राजनीति के इतिहास की असामान्य घटना थी। हालांकि बंगाल में इनसे अलग चौथी तस्वीर है जो हम सबको बहुत कुछ सोचने को विवश करती है। प्रदेश से आई तस्वीरों और वीडियो में लोग जगह-जगह चुनाव परिणाम का विजय उत्सव मनाते दिख रहे हैं। कहीं विजय जुलूस निकल रहे हैं, कहीं होली खेली जा रही है ,कहीं कीर्तन हो रहे हैं, मानो उन्हें मुक्ति मिली हो। इनमें महिला, पुरुष, दलित, जनजाति, युवा, किशोर सब शामिल दिखाई देते हैं। अगर इन तस्वीरों को नजरअंदाज कर देंगे तो पश्चिम बंगाल के सत्य तक नहीं पहुंच सकते। ये सारे विजय उत्सव भाजपा द्वारा ही आयोजित नहीं थे। स्वतः स्फूर्त तरीके से लोग ऐसा कर रहे हैं। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिनका भाजपा से किसी तरह का संबंध नहीं।

चौथी तस्वीर बताती है कि 15 वर्षों के तृणमूल कांग्रेस शासन के विरुद्ध बड़े वर्ग में व्यापक असंतोष था जिससे वे मुक्ति चाहते थे। दूसरी ओर इसका अर्थ यह भी है कि हिंसा की तस्वीरों से ज्यादा सकारात्मक लोक मानस पूरे प्रदेश में है। यह लोक व्यवहार आश्वस्त करता है कि बंगाल हिंसा के दौर से बाहर निकलेगा तथा शांति व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। किंतु यह यूं ही नहीं हो सकता। हालांकि प्रदेश में जगह-जगह कुछ हिंसा तो तृणमूल नेताओं द्वारा मकानों,जमीनों, कार्यालयों पर कब्जे के संदर्भ में हुई जब लोग स्वयं निकलकर इसे मुक्त कराने लगे। इसी तरह हिंदुओं के कई धर्मस्थलों या धर्म स्थानों की मुक्ति के दृश्य भी सामने आए। कई जगह हमने देखा कि चुनाव परिणाम के बाद गांवों में कुछ लोग नारा लगाते हुए निकले और गुस्से में कोई तृणमूल का दिखा तो उसकी हल्की पिटाई कर दिया, उसके घर पर दो-चार डंडों का प्रहार कर फिर नारा लगाते चलते बने। ये दृश्य भी हिंसा के ही है और रुकने चाहिए पर ये डरावने नहीं हैं। यह बताता है कि तृणमूल शासन में दादागिरी और माफियागिरी का साम्राज्य हो गया था। इसके विरुद्ध लोगों में गुस्सा होना स्वाभाविक है।

दूसरी ओर अगर विजय जुलूसों पर बमों से हमला हो या खींचकर मार दिया जाए या सरकार बदल गई इसके नाम पर लोगों की पिटाई हो, हत्या हो तो साफ है प्रदेश में स्वस्थ लोकतांत्रिक वातावरण नहीं है। सबसे ज्यादा चर्चा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी जो तब मुख्यमंत्री नहीं थे के सहयोगी देवनाथ रथ की हत्या की हो रही है। उन्हें उत्तर 24 परगना के मध्यग्राम में सड़क पर ढेर करअंदर गोली मारी गई। हत्यारे इतने दुस्साहसी थे कि उन्होंने सड़क पर ओवरटेक कर गाड़ी आगे से घेरा, मोटरसाइकिल से उतरकर छाती में प्रोफेशनल हत्यारे की तरह से गोली मारी और देखा कि उनके मृत्यु हुई कि नहीं। इसमें गिरफ्तारियां बता रही है कि यह पूर्व नियोजित था जिसमें भाड़े के हत्यारों का उपयोग हुआ था। इसे राजनीतिक हिंसा से अलग करके नहीं देख सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव परिणाम की संध्या भाजपा केंद्रीय कार्यालय में भाषण देते हुए कहा कि राजनीतिक हिंसा रुकनी चाहिए और हमें बदले की नहीं बदलाव की राजनीति करनी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव परिणाम के बाद ही बयान दिया था जो भी पार्टी से जुड़ा व्यक्ति हिंसा करेगा उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। फिर इस पर पत्रकार वार्ता करके स्पष्ट अपील की गई एवं चेतावनी दी गई। सत्ता संभालते हैं शिवेंदु अधिकारी ने सबसे ज्यादा फोकस कानून व्यवस्था पर किया और धीरे-धीरे स्थिति बदलने लगी है।

चुनाव से जुड़ी हिंसा चाहे वह पूर्व हो या बाद में इस बात का प्रमाण होता है कि कोई दल या नेता हर हाल में केवल अपनी जीत देखना चाहता है। यानी कोई मतदाता उससे खुश है या नाखुश, उसका समर्थक है या नहीं यह मायने नहीं रखता बल्कि हर हाल में उसका मत उसे चाहिए। यानी अगर वह दूसरे को मत देना चाहता है तो या तो मतदान केंद्र तक न जाए या अगर दे दिया तो उसे हर हाल में सबक सिखाना है ताकि भविष्य में कोई ऐसा न कर सके। पश्चिम बंगाल में 1970 के दशक में कांग्रेस ने इसकी शुरुआत की, बाद में वाम मोर्चा इसके विरुद्ध आवाज उठाकर सत्ता में आया लेकिन राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध हिंसा, हत्या, दमन उत्पीड़न, उनकी संपत्तियों पर कब्जा, आगजनी आदि को सत्ता का संपूर्ण संरक्षण प्राप्त हुआ। ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध जबरदस्त संघर्ष किया, स्वयं अपने कार्यकर्ताओं के साथ वह भी सत्ता संरक्षित हिंसा का शिकार हुई। विडंबना देखिए कि सत्ता में आने के बाद ममता और तृणमूल वाम मोर्चा से ज्यादा खतरनाक तरीके से राजनीतिक हिंसा को आगे बढ़ा दिया। देश के सामने तृणमूल सत्ता संरक्षित हिंसा की भयानक घटनाएं 2018 पंचायत चुनाव के समय और उसके बाद सामने आए। जगह-जगह लूट, आगजनी, बलात्कार, हत्या की घटनाएं हुई तथा भारी संख्या में लोगों को अपने स्थान से दूर या राज्य से बाहर पलायन करना पड़ा। 2022 विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा हिंसा की घटनाएं दर्ज की। इनमें से लगभग ढाई दर्जन हत्या के मामले की जांच सीबीआई के जिम्मे है और मुकदमा चल रहा है।

2026 के विधानसभा चुनाव बिल्कुल भिन्न था। चुनाव आयोग ने अभूतपूर्व सवा दो लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान तैनात किए और गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा किया कि ये चुनाव के बाद दो महीने तक तैनात रहेंगे। जितना संभव हुआ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के स्थानांतरण, चुनाव तक कार्य मुक्ति तथा उनकी जगह प्रदेश या बाहर से अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई। इन सबके कारण सुरक्षा का माहौल बना और हर हाल में जीतने की लालसा वाले न आतंक का माहौल बना सके और न हिंसा कर सके। पिछले 6 दशक में बंगाल का पहला चुनाव था जिसमें कोई हत्या नहीं हुई और जो हिंसारहित था। किंतु तृणमूल कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में सत्ता के साथ ऐसे निहित स्वार्थी तत्व खड़े कर दिए हैं जो पराजय पचा नहीं सकते क्योंकि इससे उनका जीवन सीधे प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए अगर बंगाल की सड़कों पर तृणमूल के लोग टोल नाका बना वसूली कर रहे थे और एक दिन में सारे बंद हो गये तो उससे कितने लोगों की अवैध आय का अंत हो गया। ऐसे लोग उनके विरुद्ध प्रतिशोध लेने की हर संभव कोशिश करेंगे तो जिन्होंने पार्टी उम्मीदवारों को हराने में भूमिका निभाई। इसी तरह हर स्तर पर कट मनी और सिंडिकेट सत्ता का स्वाभाविक अंग बन चुका था। जो लोग इन सबसे प्रभावित हुए या जिनका इनसे संघर्ष हुआ उनके अंदर भी गुस्सा होगा। सामान्य प्रशासन, पुलिस प्रशासन सबका अति तृणमूलीकरण हो चुका है। तृणमूल से जुड़े किसी नेता के भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई का हिंसक विरोध और यहां तक कि केंद्रीय एजेंसियों पर हमले और खदेड़े जाने के दृश्य हम सबने देखे। जब उनकी नेत्री ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों ने मिलकर उन्हें हराया और भाजपा को जिताया तो इसका संदेश इन सबके बीच क्या गया है यह बताने की आवश्यकता नहीं। यह एक प्रकार से अपने लोगों को उकसाना है कि आप शक्ति प्रदर्शित करो और इस चुनाव परिणाम को स्वीकार मत करो। ध्ममता बनर्जी ने किसी बयान में नहीं कहा कि हमें हिंसा नहीं करनी है और हमारा विरोध लोकतांत्रिक तरीके से हो। इस तरह देखें तो निष्कर्ष है कि राजनीतिक हिंसा को पूरी तरह नियंत्रित करना बंगाल के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि दंगाइयों अपराधी यो आदि के विरुद्ध कि तेजी से कारवाइयां हो रही है उनसे उम्मीद जगाती है कि राजनीतिक हिंसा का अंत होगा।

बदलता भारत

डॉ. मनीष जैसल

लेखक फिल्म समीक्षक हैं।

क्रिकेट के साए से निकलती खेल फिल्मों की दुनिया

इन दिनों आईपीएल का शोर हर तरफ सुनाई दे रहा है। चौकों-छक्कों, ऑक्शन, फैंटेसी लीग और सोशल मीडिया ट्रेंड्स के बीच ऐसा लगता है मानो भारत में खेल का मतलब सिर्फ क्रिकेट ही रह गया हो। यही असर हिंदी सिनेमा पर भी दिखाई देता है, जहां लंबे समय तक क्रिकेट आधारित कहानियां ही सबसे ज्यादा पर्दे पर उतरीं। लेकिन भारतीय खेल संस्कृति केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है। फुटबॉल, हॉकी, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, बैडमिंटन और शतरंज जैसे खेल भी हमारे समाज, संघर्ष और सपनों का हिस्सा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड ने समय-समय पर इन खेलों को अपनी फिल्मों में जगह देकर न केवल मनोरंजन किया, बल्कि बदलते भारत की सामाजिक और भावनात्मक तस्वीर भी पेश की।

बॉलीवुड ने फुटबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, कबड्डी, बिलियर्ड्स, टेबल टेनिस और यहां तक कि शतरंज जैसे खेलों को भी अपनी कहानियों का हिस्सा बनाया। इन फिल्मों में खेल केवल मैच जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राजनीति, प्रेम, राष्ट्रवाद, असमानता और मानवीय संघर्ष का प्रतीक बनकर सामने आते हैं ।

फुटबॉल पर आधारित फिल्मों की बात करें तो हिंदी सिनेमा ने इस खेल को अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया। सतीश कौशिक निर्देशित साहेब (1985) में अनिल कपूर का किरदार एक प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी होता है, लेकिन आर्थिक मजबूरियां उसके सपनों को कुचल देती हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के लिए वह अपनी किडनी तक बेच देता है। यह फिल्म खेल के साथ भारतीय मध्यमवर्गीय संघर्ष को जोड़ती है। प्रकाश झा की हिप हिप हुर्रे (1984) में एक आदर्शवादी स्पोर्ट्स टीचर स्कूल की कमजोर फुटबॉल टीम को नई दिशा देता है। फिल्म केवल खेल नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और युवा मनोविज्ञान को भी सामने लाती है। विवेक अग्निहोत्री की धन धना धन गोल (2007) ब्रिटेन में बसे भारतीय समुदाय और फुटबॉल के रिश्ते को दिखाती है। वहीं करण जौहर की कभी अलविदा ना कहना (2006) में शाहरुख खान एक फुटबॉल खिलाड़ी और कोच की भूमिका में दिखाई देते हैं, जहां खेल उसके अधूरे सपनों का प्रतीक बन जाता है। अंदाज अपना अपना (1994) में आमिर खान द्वारा फुटबॉल से जुड़ा हास्य दृश्य खेल को मनोरंजन के साथ जोड़ता है। हाल के वर्षों में अमित शर्मा की मैदान (2024) ने भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम इतिहास को बड़े पर्दे पर जीवंत किया। अजय देवगन द्वारा निभाया गया सैयद अब्दुल रहीम का किरदार यह याद दिलाता है कि भारतीय फुटबॉल कभी एशिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता था।

हॉकी भारतीय गौरव और राष्ट्रवाद का प्रतीक रही है, लेकिन लंबे समय तक हिंदी फिल्मों में इसे अपेक्षित स्थान नहीं मिला। शिमित अमीन की चक दे! इंडिया (2007) ने इस कमी को प्रभावशाली ढंग से पूरा किया। शाहरुख खान का कबीर खान भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच बनकर न केवल खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करता है, बल्कि अपने ऊपर लगे देशद्रोह के आरोप को भी मिटाने की कोशिश करता है। फिल्म क्षेत्रीय भेदभाव, महिला खिलाड़ियों की चुनौतियों और राष्ट्रवाद को गहराई से प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त खेल खेल में (1975) में ऋषि कपूर और राकेश रोशन का हॉकी मैच हास्य और रोमांच का हिस्सा बनता है। गोलमाल (1979) में अमोल पालेकर हॉकी मैच देखने के लिए झूठ बोलते हैं, जबकि लाखों की बात (1984) में हॉकी गेंद एक हास्यपूर्ण स्थिति पैदा करती है। बाद में रीमा कागती की गोल्ड (2018) ने आज़ाद भारत के पहले ओलंपिक गोल्ड मेडल की कहानी को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत किया।

एथलेटिक्स पर आधारित फिल्मों ने भारतीय खिलाड़ियों के संघर्ष को बेहद प्रभावशाली तरीके से सामने रखा। तिग्मांशु धूलिया की पान सिंह तोमर (2012) एक राष्ट्रीय स्तर के एथलीट की कहानी है, जो व्यवस्था की उपेक्षा के कारण बागी बन जाता है। यह फिल्म खेल व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती है। वहीं राकेश ओमप्रकाश मेहरा की भाग मिल्खा भाग (2013) विभाजन की त्रासदी से निकलकर 'फ्लाइंग सिख' बने मिल्खा सिंह के जीवन को प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत करती है। फिल्म यह दिखाती है कि खिलाड़ी की दौड़ केवल मैदान तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह अपने अतीत, दर्द और असफलताओं से भी लड़ता है। बाद में रश्मि रॉकेट (2021) ने महिला खिलाड़ियों के जेंडर टेस्ट और लैंगिक भेदभाव का मुद्दा उठाया। तूफान (2021) ने खेल और सामाजिक पहचान के संघर्ष को सामने रखा। इन फिल्मों ने खेल को सामाजिक विमर्श का हिस्सा बना दिया।

बास्केटबॉल को बॉलीवुड ने मुख्यतः आधुनिकता और युवा संस्कृति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। करण जौहर की कुछ कुछ होता है (1998) में शाहरुख खान और काजोल का बास्केटबॉल मैच कॉलेज रोमांस का सबसे चर्चित दृश्य बन जाता है। खेल यहां प्रतिस्पर्धा और आकर्षण दोनों का माध्यम है। बाद में धूम 2 (2006) में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बास्केटबॉल खेलते दिखाई देते हैं, जहां खेल स्टाइल और ग्लैमर का हिस्सा बन जाता है।

टेबल टेनिस का प्रयोग हिंदी फिल्मों में अक्सर हल्के-फुल्के मनोरंजन के लिए हुआ। छोटी सी बात (1975) में अमोल पालेकर टेबल टेनिस खेलते हुए आत्मविश्वास हासिल करने की कोशिश करते हैं। वहीं मैंने प्यार किया (1989) के एक गीत में सलमान खान और भाग्यश्री टेबल टेनिस खेलते दिखाई देते हैं। यहां खेल रोमांस और युवापन का प्रतीक बन जाता है।

बिलियर्ड्स और स्नूकर जैसे खेलों को भी बॉलीवुड ने अपनी शैली में प्रस्तुत किया। तिरंगा (1993) में राजकुमार बिलियर्ड्स खेलते हुए अपने प्रभावशाली संवाद बोलते हैं। जानबाज़ (1986) में खेल रोमांटिक दृश्यों का हिस्सा बनता है, जबकि हम आपके हैं कौन (1994) में सलमान खान और माधुरी दीक्षित बिलियर्ड्स के माध्यम से एक-दूसरे के करीब आते हैं। इन फिल्मों में खेल का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संबंधों को दिखाना था।

रग्बी और अमेरिकन फुटबॉल जैसे खेल भारत में अधिक लोकप्रिय नहीं रहे, लेकिन बॉलीवुड ने इन्हें विदेशी माहौल और ग्लैमर दिखाने के लिए इस्तेमाल किया। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) में शाहरुख खान यूरोपीय परिवेश में रग्बी खेलते दिखाई देते हैं। नमस्ते लंदन (2007) में अक्षय कुमार रग्बी के मैदान में अपने प्रतिद्वंद्वी को चुनौती देते हैं। लगान (2001) में क्रिकेट मुख्य खेल होने के बावजूद खेल रणनीति और सामूहिक संघर्ष की भावना को प्रस्तुत किया गया। वहीं न्यूयॉर्क (2009) में जॉन अब्राहम और नील नितिन मुकेश अमेरिकन खेल संस्कृति के बीच दिखाई देते हैं।

साइक्लिंग को फिल्मों में प्रेरणा और युवा ऊर्जा के प्रतीक के रूप में दिखाया गया। जो जीता वही सिकंदर (1992) में आमिर खान का साइकिल रेस जीतना केवल खेल नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और बदलाव की कहानी है। यह फिल्म आज भी युवाओं में बेहद लोकप्रिय है।

बॉक्सिंग पर आधारित फिल्मों ने संघर्ष और आत्मसम्मान की कहानियों को सामने रखा। बॉक्सर (1984) में मिथुन चक्रवर्ती का किरदार संघर्षरत खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। अपने (2007) में देओल परिवार बॉक्सिंग के माध्यम से पारिवारिक सम्मान और रिश्तों को जोड़ता है। ओमंग कुमार की मैरी कॉम (2014) ने पूर्वोत्तर भारत की महान महिला बॉक्सर की कहानी को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। प्रियंका चोपड़ा का अभिनय और फिल्म का भावनात्मक पक्ष दर्शकों को गहराई से प्रभावित करता है। इसके बाद अनुराग कश्यप की मुक्काबाज़ (2018) ने खेल संघों की राजनीति और जातिगत भेदभाव को सामने रखा।

बैडमिंटन को फिल्मों में लंबे समय तक मनोरंजन और रोमांस से जोड़ा गया। हमजोली (1970) में जितेंद्र और लीना चंदावरकर का बैडमिंटन मैच बेहद लोकप्रिय हुआ। फिल्म में खेल को संगीत और रोमांस के साथ जोड़ा गया। हालांकि आज बैडमिंटन भारत में पी.वी. सिंधु और साइना नेहवाल जैसी खिलाड़ियों के कारण नई पहचान बना चुका है, लेकिन हिंदी सिनेमा में इस खेल पर अभी गंभीर फिल्मों की कमी दिखाई देती है।

कबड्डी जैसे देसी खेल भी अब फिल्मों में जगह बना रहे हैं। अश्विनी अय्यर तिवारी की पंगा (2020) ने कबड्डी खिलाड़ी की वापसी के माध्यम से महिलाओं के सपनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के संघर्ष को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। यह फिल्म दिखाती है कि खेल केवल युवाओं का क्षेत्र नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति का प्रश्न है।

शतरंज को हमेशा बुद्धिमत्ता और रणनीति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। ऋषिकेश मुखर्जी की गुड्डी (1971) में शतरंज मित्रता का माध्यम बनता है, जबकि मेरी जंग (1985) में यह मानसिक प्रतिस्पर्धा का प्रतीक दिखाई देता है। सत्यजीत रे की शतरंज के खिलाड़ी (1977) भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती है। संजीव कुमार और सईद जाफरी द्वारा निभाए गए नवाबों के किरदार शतरंज में इतने डूबे रहते हैं कि उन्हें अपने आसपास बदलती राजनीतिक परिस्थितियों तक का एहसास नहीं होता। यह फिल्म केवल खेल नहीं, बल्कि इतिहास और सामाजिक चेतना पर गहरी टिप्पणी है।

आज के दौर में खेल आधारित फिल्मों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां खेल फिल्मों में केवल मनोरंजन या रोमांस का माध्यम थे, वहीं अब वे सामाजिक मुद्दों, लैंगिक समानता, राष्ट्रवाद, मानसिक दबाव और राजनीति जैसे विषयों को सामने ला रही हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इन फिल्मों को नई पहुंच दी है। दर्शक अब केवल बड़े सितारों को नहीं, बल्कि सच्ची और प्रेरणादायक कहानियों को पसंद कर रहे हैं। यही कारण है कि खिलाड़ियों की बायोपिक और वास्तविक घटनाओं पर आधारित फिल्में लगातार सफल हो रही हैं।

इन फिल्मों ने यह साबित किया कि खेल जीवन का रूपक हैं। इनमें संघर्ष है, हार है, जीत है, राजनीति है, प्रेम है और सबसे बढ़कर उम्मीद है। क्रिकेट से आगे बढ़कर जब हिंदी सिनेमा फुटबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कबड्डी और शतरंज जैसे खेलों को अपनाता है, तब वह केवल खेल नहीं दिखाता वह बदलते भारत की कहानी कहता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.- 453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर नायक

लेखक व्यंग्यकार हैं।

न बत्ती, न हूटर, न काफिला; मंत्री न बनियो कोय

कक्काजी का बुरा हाल है। कर्ज़े में चल रहे थे। जैसे तैसे कर्ज़े से दर्ज़े में पहुंचे थे कि काफिले पर बंदिश लग गयी। अभी अभी तो मंत्री दर्जा मिला था।दर्ज़े के आर्डर की स्याही भी नहीं सूखी थी कि यह नया आर्डर आ गया। वे बौखला रहे हैं-भाई,क्या क्या हो रहा है इस देश में? अब काफिला भी लेकर न चलो। दर्जे के बाद ही तो काफिला बनता है। दर्जे के पहले तो हर आदमी अकेला है।अब दर्जे के बाद भी अकेले चलो तो फिर काहे को दर्ज़ा लिया,इतना हर्जा किया। ये तो भाई हद है। अब तो सहन नहीं होता। भाई,साफ़ साफ़ क्यों नहीं कह देते कि तुलसी की माला लो और कोने में बैठ जाओ। एक जमाना था जब राजनीति में कदम रखने वाले हर व्यक्ति की एक ही अभिलाषा हुआ करती थी कि कम से कम एक बार किसी न किसी तरह लालबत्ती लग जाये।गोल गोल घूमती सर्प जिव्हा सी लपलपाती लालबत्ती जिन लोगों ने देखी है और जो उसमें बैठे हैं उसका सुख वही लोग जान सकते हैं। बैठने वाले तो छोड़िए देखने वालों पर भी सुख के छींटें पड़ जाया करते थे।दद्दा जी का किस्सा तो सुना होगा। दो महीने से अस्पताल में थे। डॉक्टर लोग हाथ खड़े कर चुके थे पर प्राण अटके थे।बिल बढ़ रहा था। किसी जानकार ने कहा-कमरे में लाल बल्ब जला दो। नुस्खा अचूक रहा। दद्दा जी ने लाल रोशनी देखी और सुकून से चले गये। तब लोगों ने समझा कि उनकी आत्मा लालबत्ती में अटकी थी। लालबत्ती का वो जलवा था कि लोग आयुष्मान भव की जगह बत्तीवान भव का आशीर्वाद मांगते थे। लेकिन प्रभु की लीला,एक दिन ऐसा भी आया कि लालबत्ती चली गयी। अभी वे लोग मौजूद हैं जिन्होंने सीने पर पत्थर रखकर अपने ही हाथों से अपनी लालबत्ती निकाली थी। आप उस दर्द का अनुभव तो करिये जब उन्होंने सजल नयनों से आखिरी बार लालबत्ती को निहारा होगा और कंपित करों से लालबत्ती उखाड़ी होगी।जिसे जमाने में जमाने लगे उसे अपने ही हाथों से उखाड़ना पड़ा। अरे कम से कम इतनी इंसानियत तो रखते कि खुद के हाथों से तो न उखड़वाते। जल्लाद भेज देते।वो सबकी उखाड़कर चला जाता। उस समय हम सबने कितने हाथ जोड़े थे। दिल्ली तक दौड़ लगायी थी। लालबत्ती बंद करना है,कर दो,पर सबकी मत करो।सब धान बाईस पसेरी तो मत तौलो। उम्र की कंडीशन डाल दो।बूढ़ों की बंद नहीं की जायेगी।लौंड़े लपाड़ियों की छीन लो। वे दुरुपयोग करते हैं। जिनकी चलाचली की वेला है उनकी तो रहने दो। वे उपयोग लायक नहीं रहे दुरुपयोग क्या करेंगे। बत्तीसी नहीं रही, बत्ती तो रहने दो। पर किसी ने नहीं सुनी। बत्ती चली गयी। बस,बत्ती के किस्से रह गये। बत्ती के नाम पर अब केवल एंबूलेंस की नीली बत्ती बची है। हम लोगों को उसमें भी दिक्कत नहीं थी हम तो नीली बत्ती में भी बैठ जाते,मन को समझा लेते,लेकिन नीली बत्ती के साथ चक्कर यह है कि उसमें बैठना नहीं पड़ता,लेटना पड़ता है।भगवान न करे किसी को नीलीबत्ती में लेटना पड़े। बत्तियों की उम्मीद खत्म हुई तो लोगों ने हूटर से मन भरा। भीड़भाड़ के बीच से वानरों की तरह हू हू करते हुए गुजरना भी मजा देता था।बत्ती जितना तो नहीं फिर भी कामचलाऊ आनंद आ जाता था। सरकार से यह सुख भी नहीं देखा गया।न जाने किस दिलजले की आह लगी और एक दिन हूटर भी प्रतिबंधित।बत्ती चली गयी,हूटर भी नहीं रहे तो लोगों ने काफिले की जुगत निकाली। काफिला लेकर चलने लगे।इसमें खर्चा ज्यादा था।खर्चा होता था पर चर्चा भी होता था। कुछ हद तक बत्ती और हूटर का दुख भूलने लगे थे लोग।घाव भर रहे थे कि अचानक वज्रपात हुआ और काफिला भी बंद। गाड़ियां लौटायी जा रही हैं।अब तुम्हें क्या सुनाऊं,लौटती गाड़ियां देख देखकर छाती फटी जाती है। लौटाने की बात हम कैसे कहते हैं? ये शब्द हम कैसे उच्चारते हैं? यह हमारे दिल से पूछो,भाई। पत्थर की छाती करनी पड़ती है।मैंने तो साफ कह दिया-ठीक है,आप कह रहे हैं सो हम लौटा देते हैं पर यह ठीक नहीं हो रहा है। आप देख लेना यही हाल रहा तो मंत्री बनने वाले लोग नहीं मिलेंगे एक दिन। कुर्सियां खाली पड़ी रहेंगी। आप मनाओगे कि बैठ जाओ भाई और लोग मुंह बिचकाकर निकल जायेंगे। कौन बनेगा ऐसा रूखा सूखा मंत्री। भगवान कैसे कैसे दिन दिखा रहा है। जिस काफिले से नेता चमकते थे अब उससे धमकते हैं। लोग तो अभी से कहने लगें हैं-

न बत्ती,न हूटर,न काफिला मिला
मंत्री बनने पर हमें ये सिला मिला
जो मैं ऐसा जानती कि काफिला भी न होय
तो नगर ढ़िंढ़ोरा पीटती मंत्री न बनियो कोय

कानून और न्याय
आवारा कुत्ते-1
विनय झैलावत
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

सुप्रीम कोर्ट की नजर में कुत्तों की समस्या चिंताजनक

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सरकारों की निष्क्रियता के कारण समस्या को रोकने के बजाय केवल संकट बढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था विकसित हुई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे 'प्रतिक्रियात्मक और संकट-आधारित दृष्टिकोण बताते हुए कहा कि यह न तो प्रभावी है और न ही स्थायी समाधान दे सकता है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तीन महीनों के भीतर 1,840 डॉग बाइट मामले सामने आए। सीकर में बच्चों पर आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं दर्ज हुईं। उदयपुर में वर्ष 2026 में अब तक लगभग 1,750 मामले दर्ज किए गए। भीलवाड़ा में एक ही दिन में 42 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा।

देशभर में बढ़ते कुत्तों के हमलों और डॉग बाइट की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताते हुए अपने ताजा महत्वपूर्ण फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या अब अत्यंत चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई। यह सीधे तौर पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह घटनाएं अब इक्का-दुक्का नहीं। ऐसी घटनाएं पूरे देश में लगातार और व्यापक रूप से सामने आ रही हैं। इनमें गंभीर शारीरिक चोटें, मानसिक आघात और कई मामलों में लोगों की मौत तक हो रही है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की खंडपीठ ने हाल ही में 19 मई को पारित अपने फैसले में संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी पूर्व निर्देशों को बरकरार रखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों की कार्यप्रणाली पर भी कड़ी नाराजगी जताई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वर्ष 2001 से एनिमल बर्थ कंट्रोल ढांचा लागू होने के बावजूद सरकारें आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा विकसित करने में विफल रही।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सरकारों की निष्क्रियता के कारण समस्या को रोकने के बजाय केवल संकट बढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था विकसित हुई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे प्रतिक्रियात्मक और संकट-आधारित दृष्टिकोण बताते हुए कहा कि यह न तो प्रभावी है और न स्थायी समाधान दे सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखी गई रिपोर्टों का उल्लेख करते हुए पीठ ने कहा कि राजस्थान के श्रीगंगानगर में तीन महीनों के भीतर 1,840 डॉग बाइट मामले सामने आए। सीकर में बच्चों पर आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं दर्ज हुईं। उदयपुर में वर्ष 2026 में अब तक लगभग 1,750 मामले दर्ज किए गए। भीलवाड़ा में एक ही दिन में 42 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा। तमिलनाडु की स्थिति को सर्वोच्च न्यायालय ने और अधिक गंभीर बताया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, केवल वर्ष 2026 के पहले चार महीनों में राज्य में लगभग 2.63 लाख डॉग बाइट मामले और 17 मौतें दर्ज हुईं। वहीं कर्नाटक में इसी अवधि में 2 लाख से अधिक मामले और कम से कम 25 रेबीज से संबंधित मौतें दर्ज की गईं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह आंकड़े इस समस्या को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था का मुद्दा बनाते हैं।

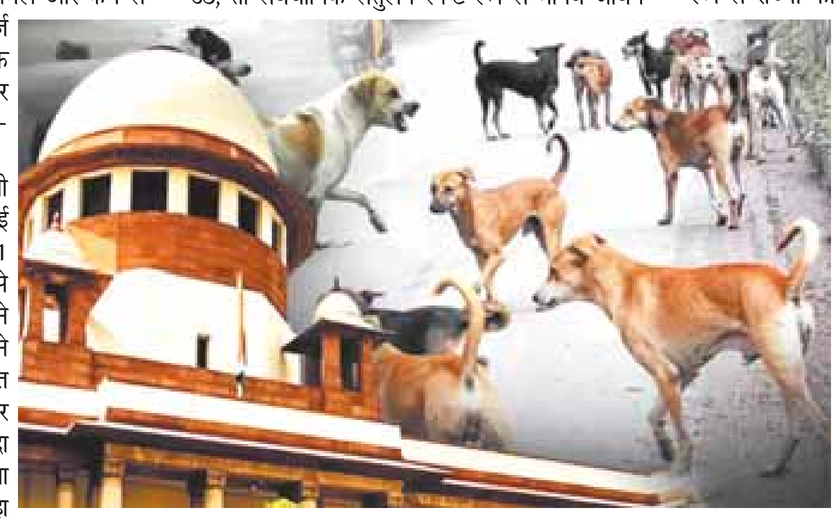

सर्वोच्च न्यायालय ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी उल्लेख किया, जहां 1 जनवरी 2026 से अब तक कम से कम 31 डॉग बाइट घटनाएं सामने आने की बात कही गई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि देश के सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक पर लगातार ऐसी घटनाएं होना मौजूदा सुरक्षा व्यवस्थाओं की गंभीर विफलता दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आवारा कुत्तों की अनियंत्रित बढ़ती संख्या अब उन्हें जंगली स्वभाव की ओर धकेल रही है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ऐसे जानवरों की मौजूदगी मानव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यद्यपि पशु कल्याण संवैधानिक रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन मानव जीवन और सुरक्षा सर्वोपरि है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जब मानव जीवन और संवेदनशील जीवों के कल्याण के बीच संतुलन का प्रश्न उठे, तो संवैधानिक संतुलन स्पष्ट रूप से मानव जीवन की सुरक्षा के पक्ष में झुकना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सार्वजनिक स्थानों पर सबसे योग्य की उत्तरजीविता जैसी डार्विन की अवधारणा लागू होती दिखाई देगी।

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की उस दलील को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि हाईवे से आवारा जानवरों को हटाना मुख्य रूप से राज्यों की जिम्मेदारी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की भी जिम्मेदारी है और उसे सक्रिय भूमिका निभानी होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में पशु कल्याण समूह या छात्र संगठन तभी आवारा कुत्तों को खाना खिला सकते हैं या उनकी देखभाल कर सकते हैं, जब वे परिसर में किसी भी डॉग-बाइट या संबंधित नुकसान की कानूनी जिम्मेदारी लेने का औपचारिक हलफनामा दें। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आवारा कुत्तों के अधिकारों और संरक्षण को मानव जीवन एवं सुरक्षा से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि कोई छात्र संगठन या पशु कल्याण समूह परिसर में आवारा कुत्तों की देखभाल करना चाहता है, तो उसे संस्थान प्रमुख के समक्ष यह लिखित आश्वासन देना होगा कि किसी भी हमले या नुकसान की स्थिति में वह कानूनी दायित्व वहन करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने चेतावनी दी कि इस निर्देश का पालन नहीं होने पर संबंधित संस्थान प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

यह फैसला हैदराबाद स्थित भारत की सबसे प्रतिष्ठित और दूसरे नंबर की विधि विश्वविद्यालय नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एण्ड रिसर्च, हैदराबाद यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की ओर से दाखिल आवेदन पर आया। विश्वविद्यालय ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि एनिमल लॉ सेंटर द्वारा चलाए जा रहे आवारा कुत्तों के मॉडल को जारी रखने की अनुमति दी जाए। विश्वविद्यालय ने दलील दी कि यह मॉडल नसबंदी, टीकाकरण और जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए मानवीय तरीके से आवारा कुत्तों के प्रबंधन का प्रयास है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस विश्वविद्यालय को सीमित अपवाद देते हुए प्रयोगात्मक आधार पर इस मॉडल को जारी रखने की अनुमति दी। साथ ही यह शर्त भी लगाई कि एनिमल लॉ सेंटर को विश्वविद्यालय के कुलपति के समक्ष यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि यदि परिसर में किसी व्यक्ति को आवारा कुत्ते के कारण नुकसान पहुंचता है, तो संस्था टॉर्टियस लायबिलिटी का सामना करेगी। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि आवारा कुत्तों के संरक्षण से जुड़ी किसी भी व्यवस्था में जवाबदेही का स्पष्ट सिद्धांत होना आवश्यक है। केवल पशु अधिकारों की बात कर मानव सुरक्षा की अनदेखी नहीं की जा सकती।

(शेष अगले कॉलम में)

यूएई से नॉर्डिक तक
अरुण कुमार डनायक
लेखक समाजसेवी हैं।

भारत की कूटनीति, अवसर और अंतर्विरोध

15 मई 2026 की नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा में अनेक अहम समझौते हुए– जिनमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी आपूर्ति, सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर, वदीनार शिप रिपेयर क्लस्टर, रक्षा साझेदारी तथा आरबीएल बैंक व सम्मान कैपिटल में निवेश शामिल हैं। द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2032 तक 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है । यूएई में 40 लाख भारतीयों की उपस्थिति आपसी संबंधों की मजबूती दर्शाती है। इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्व लिमिटेड और अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी के समझौते के तहत अबूधाबी भारत में 30 मिलियन बैरल तक तेल भंडारित कर सकेगा। यह लीज मॉडल है– सुविधा भारत की, पर स्वामित्व अबूधाबी का। आपातकाल में भारत को केवल 'प्राथमिक पहुँच' मिलेगी, जो पूर्ण गारंटी नहीं देती। भंडारण का अधिकांश खर्च भारत वहन करेगा, जबकि अबूधाबी को वाणिज्यिक लचीलापन मिलेगा। इसलिए इसे पूर्णतः 'परस्पर लाभकारी' कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इस अतिरिक्त स्टॉक की उपलब्धता से हमारी आयात निर्भरता और कम रणनीतिक भंडारण की मूल समस्या को पूरी तरह हल नहीं करता। यूएई की वेस्ट-ईस्ट पाइपलाइन परियोजना अभी निर्माणाधीन है और इसके 2027 में पूरा होने की संभावना है। यह हबशान से फुजैराह तक कच्चा तेल ले जाने वाली लाइन है, जो होर्मुज़ पर निर्भरता कम करने की यूएई की अपनी निर्यातसुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। इसलिए इसे भारत के तत्काल लाभ के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति होगा।

दुबई यात्रा को लेकर कुछ स्वाभाविक प्रश्न उठते हैं। दुबई ऊर्जा क्षेत्र का प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी नहीं है, और खाड़ी संकट के बाद भारत का व्यापारिक झुकाव सिंगापुर की ओर बढ़ा है। टैक्स हेवन, अपारदर्शी निवेश व संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क से जुड़ी उसकी ऐतिहासिक छवि, सुधारों के बावजूद, जटिल रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की आठ यात्राएँ नीति प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती हैं। भारत को अबू धाबी केंद्रित ऊर्जा सहयोग और दुबई आधारित वित्तीय संपर्कों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए, ताकि अनावश्यक अटकलों से बचा जा सके।

भू-राजनीतिक तनावों के बीच यूएई की यह यात्रा समयोचित भी नहीं लगती। विशेषज्ञ होर्मुज़ संकट को संरचनात्मक मानते हैं, जिससे 2026 में भारत की जीडीपी घटने व अर्थव्यवस्था पर दबाव संभव है। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा हेतु ईरान के साथ संतुलित कूटनीतिक संवाद ज़रूरी है, क्योंकि होर्मुज की चाबी उसी के पास है ; केवल यूएई पर निर्भरता एकतरफा रणनीति हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा से भारत को सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, डेयरी, कृषि प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हासिल हुए। दोनों देशों ने व्यापार व निवेश बढ़ाने तथा इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन यात्रा में दोनों पक्षों ने ग्रीन ट्रांजिशन, एआई टेक्नोलॉजी कॉरिडोर, हेल्थ-टेक, ग्रीन मोबिलिटी और रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी की घोषणाएँ कीं। इस यात्रा ने यूरोप में भारत की तकनीकी और रणनीतिक पहुंच को प्रतीकात्मक रूप से मजबूत किया, परंतु इससे आगे ठोस परिणाम अभी दिखने बाकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा का महत्व इसलिये है क्योंकि लगभग 42 वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री वहां गया । दोनों देशों ने 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें हरित रणनीतिक साझेदारी, हिंदप्रशांत महासागर पहल, डिजिटल विकास, स्वास्थ्य सहयोग, अंतरिक्ष, समुद्री ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और भूवैज्ञानिक अनुसंधान शामिल हैं। ओस्लो में आयोजित 'तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन' में भारत और पांच नॉर्डिक देशों स्वीडन, नार्वे, आइसलैंड, डेनमार्क व फिनलैंड ने संबंधों को हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार आधारित रणनीतिक साझेदारी तक उन्नत किया। स्वच्छ ऊर्जा, आर्कटिक सहयोग, ब्लू इकोनॉमी, साइबर सुरक्षा, उभरती तकनीकों और निवेश पर व्यापक सहमति बनी।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा में दोनों देशों ने राजनीतिक समन्वय, आर्थिकऔद्योगिक एकीकरण, उभरती तकनीकों, हरित ऊर्जा और हिन्द भूमध्यसागर आर्थिक कारीडोर जैसे कनेक्टिविटी ढाँचों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया, जिससे भारतइटली साझेदारी को भविष्य उन्मुख दिशा मिली। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा कई चमकदार क्षणों से भरी रही–यूएई और स्वीडन के लड़ाकू विमानों की एस्कॉर्ट, नॉर्वे और स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, और भव्य स्वागत। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने मोदीजी की अनुपस्थिति में पत्रकारों के समक्ष भारत में प्रेस स्वतंत्रता और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चिंता जताई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने कूटनीति और 'व्यापार के हथियारीकरण ' पर मोदी सरकार की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी की। एक नॉर्वेजियन पत्रकार ने भारत की प्रेस स्वतंत्रता पर सीधा सवाल उठाया। लेकिन प्रतीकात्मक सफलताओं के बीच में इन घटनाओं ने यात्रा की चमक पर हल्की खरोंच डाल दी। प्रधानमंत्री ने प्रश्न को अनसुना कर दिया, जिससे अनावश्यक कूटनीतिक असहजता पैदा हुई। बाद में विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने सफाई दी। उन्होंने भारत की सभ्यता, लोकतांत्रिक ढांचे और कोविडकाल की भूमिका का हवाला दिया, पर उनका जवाब न तो प्रभावी लगा, न ही आश्वस्त करने वाला। उनकी झुंझलाहट और 'जानकारी के अभाव' वाला तर्क स्थिति संभालने के बजाय और कमजोर ही दिखा। यह प्रकरण बताता है कि दूतावासों की तैयारी कमजोर थी; कूटनीति में कभीकभी प्रधानमंत्री के दो वाक्य भी पूरी छवि बचा लेते हैं–यह अवसर हाथ से निकल गया। इस यात्रा के दौरान नॉर्वे के प्रमुख अखबार 'आफ्टेनपोस्टेन' ने प्रधानमंत्री मोदी का एक कार्टून प्रकाशित किया, जिसमें उन्हें 'सपेरे' की मुद्रा में दिखाया गया। यह चित्रण पश्चिमी मीडिया में भारत की रूढ़िबद्ध छवि को प्रतिबिंबित करता है। हालांकि ऐसे व्यंग्य असामान्य नहीं हैं, लेकिन यह घटना उच्च-स्तरीय कूटनीतिक दौरों में मीडिया प्रबंधन की चुनौतियों की याद दिलाती है ।

पश्चिम एशिया संकट के बाद यूएई और इस्रायल अंतरराष्ट्रीय जनमत में अलगथलग पड़ते दिख रहे हैं, और युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प की छवि भी कमजोर हुई है। ऐसे जटिल वैश्विक माहौल में भारत को अपनी कूटनीतिक स्थिति बेहद सोचसमझकर तय करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा जहाँ अमेरिकी रुख के प्रति सामरिक सामंजस्य का संकेत है, वहीं यूरोपीय देशों के दौरे यह संदेश भी देते हैं कि भारत अपनी कूटनीति में पूर्णतः किसी एक ध्रुव के साथ नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के साथ आगे बढ़ रहा है। नॉर्डिक दौरे में भारत को हरित ऊर्जा, तकनीक व निवेश में–नॉर्वे, स्वीडन और नीदरलैंड के साथ–ठोस लाभ मिले। यूएई यात्रा ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी होती, यदि भारत ईरान पर हुए हमलों पर अपनी स्पष्ट चिंता जताता कुल मिलाकर, ये यात्राएँ भारत की वैश्विक उपस्थिति को सुदृढ़ करती हैं, पर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में केवल सक्रिय कूटनीति पर्याप्त नहीं है–संतुलित, बहुपक्षीय और मूल्य-आधारित दृष्टिकोण अनिवार्य है। ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता तभी टिकाऊ होंगी, जब भारत सभी पक्षों से समान दूरी रखते हुए अपने दीर्घकालिक हितों को स्पष्ट प्राथमिकता दे–यही इस पूरे दौरे का वास्तविक सबक है।

दृष्टिकोण
गिरीश जोशी
संस्कृति अध्येता

आज के जमाने का गंगा दशहरा

गंगा दशहरा सनातन धर्म का एक अत्यंत पवित्र, पुण्यदायी और लोककल्याणकारी पर्व है। यह ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। शास्त्रों में इसे माँ गंगा के पृथ्वी पर अवतरण दिवस माना जाता है। इसे पाप-क्षालन, आत्मशुद्धि, मोक्ष-साधना और धर्म-स्मरण का दिवस कहा जाता है।

शास्त्रीय महत्व

'दशहरा' शब्द यहाँ दश + हरा से बना है, यानि दस प्रकार के पापों का हरण करने वाला। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा से स्नान, दान, जप और गंगा पूजन करने से मनुष्य के काया, वाचा और मानसिक स्तर पर जाने अनजाने में हुए पाप नष्ट होते हैं।

माँ गंगा के अवतरण की कथा

प्राचीन काल में राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ किया। उनके यज्ञ का घोड़ा चोरी होकर कपिल मुनि के आश्रम के पास पहुँच गया। राजा सगर के साठ हजार पुत्र घोड़े की खोज करते हुए वहाँ पहुँचे और मुनि पर आरोप लगाया। ऋषि के तपोबल से वे सभी भस्म हो गए। उनकी आत्माओं की मुक्ति तब तक संभव न थी, जब तक स्वर्गीय गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि-अवशेषों को स्पर्श न करे। पीढ़ियों बाद राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या की। पहले ब्रह्मा प्रसन्न हुए और गंगा को पृथ्वी पर भेजने का वर दिया। परंतु गंगा का वेग असहनीय था। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। भगीरथ के पीछे-पीछे बहती हुई गंगा वहाँ पहुँची जहाँ सगरपुत्रों की राख थी, और उनके स्पर्श से उन्हें मोक्ष प्राप्त हुआ। गंगा के बारे में शास्त्रों में लिखा हैं -

'गंगे तव दर्शनात् मुक्तिः '

अर्थात गंगा के दर्शन मात्र से भी कल्याण होता है। गंगा दशहरा केवल स्नान का पर्व नहीं, बल्कि तप, करुणा, पितृऋण, दान और आत्मशुद्धि का दिव्य उत्सव है। इसी दिव्य घटना की स्मृति में ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को गंगा दशहरा मनाया जाता है।

कथा का आध्यात्मिक अर्थ

यह कथा केवल इतिहास नहीं, गहन प्रतीक है। सगरपुत्र यानी अहंकार और अधर्म, भगीरथ तप अर्थात पुरुषार्थ और संकल्प, गंगा यानि ईश्वरीय कृपा और ज्ञान,शिव की जटा मतलब धैर्य और संयम और सबसे महत्वपूर्ण मोक्ष यानि आत्मा का परमात्मा में मिलन और मोह के बंधन से मुक्ति जिसे मोह का क्षय भी कहा गया हैं।

इस दिन क्या करें?

ऐसा माना जाता है कि यदि इस दिन गंगा तट पर स्नान हों तो उत्तम, अन्यथा घर में गंगाजल मिश्रित जल से स्नान करना चाहिए , माँ गंगा का पूजन, 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का न जप भी करना चाहिए। जलपात्र, वस्त्र, फल, अन्न,

पंखा आदि का दान करना चाहिए। ये दिन पितरों का स्मरण का भी दिन है साथ ही पर्यावरण रक्षा और नदी संरक्षण का संकल्प भी इस दिन लेना चाहिए।

आज के समय में गंगा दशहरा का संदेश

आज गंगा दशहरा हमें केवल पूजा के साथ नदियों, जल स्तोत्रों को स्वच्छ रखने,जल का सम्मान करने,प्रकृति को माता मानने,तप, सेवा और संयम अपनाने और संस्कृति से जुड़ने का स्मरण करवाता है। गंगा दशहरा वह दिन है जब स्वर्ग से करुणा पृथ्वी पर उतरी। यह पर्व बताता है कि जब भगीरथ जैसे पुरुषार्थी प्रयास करते हैं और शिव जैसी धारण-शक्ति मिलती है, तब जीवन में भी कृपा की गंगा उतरती है। अतः यह केवल तिथि नहीं, बल्कि शुद्धि, सेवा, संस्कार और मोक्ष का उत्सव है।

गंगा दशहरा पर दान का महत्व

गंगा दशहरा पर दान करना केवल परंपरा नहीं, बल्कि मनुष्य को दानी, विनम्र, करुणामय और धर्ममय बनाने की साधना है। वस्तु छोटी हो सकती है, भाव बड़ा होना चाहिए। शास्त्र कहते हैं– भावप्रधानं हि देवेषु।दान को धर्म का स्तंभ कहा गया है। इस दिन किया गया दान दशगुण फलदायी माना गया है।

गंगा दशहरा पर दस विशेष दानों का रहस्य

गंगा दशहरा वह पवित्र दिवस है, जिसमें दश पापों के नाश, दश इन्द्रियों की शुद्धि और दश दिशाओं में पुण्य विस्तार का संकेत निहित है। इसी कारण इस दिन दस प्रकार के दान करने की परंपरा कही गई है। शास्त्रों में दान केवल वस्तु देना नहीं, बल्कि अहंकार का त्याग, करुणा का विस्तार और लोकमंगल का संकल्प है। दस प्रकार के दानों के निहित अर्थ

1. जलदान –

जल को वेदों में अमृत कहा गया है। ग्रीष्मकाल में प्यासे को जल देना प्राणदान के समान माना गया है।मर्मःजलदान मनुष्य के भीतर की तृष्णा, क्रोध और ताप को भी शांत करने का प्रतीक है।

2. घटदान (घड़ा / कलश)

मिट्टी का घड़ा शीतलता, धारण शक्ति और मातृत्व का प्रतीक है।मर्मःघटदान यह सिखाता है कि स्वयं भरकर दूसरों को तृप्त करो, जैसे गंगा सबको जल देती है।

3. अन्नदान

धर्मशास्त्रों में कहा गया है– 'अन्नदानं परं दानम् 'मर्मः अन्न शरीर ही नहीं, मन और संस्कार को भी पोषित करता है। भूखे को भोजन देना नारायण सेवा है इसलिए इसे परम दान माना गया है।

4. फलदान

फल प्रकृति की सहज कृपा है।मर्मःफलदान कर्मफल की स्मृति है जैसा बोओगे वैसा पाओगे। मधुर फल देना मधुर कर्म का प्रतीक है।

5. वस्त्रदान

वस्त्र शरीर की मर्यादा और रक्षा करते हैं।मर्मः वस्त्रदान से अभावग्रस्त व्यक्ति की गरिमा की रक्षा होती है। यह दया और सम्मान का दान है।

6. छत्रदान (छाता)

गर्मी और वर्षा से रक्षा हेतु छत्रदान प्राचीन काल से श्रेष्ठ माना गया। मर्मःछत्रदान यह संदेश देता है कि समर्थ व्यक्ति निर्बलों को संरक्षण दे।

7. पादुका दान (जूते / चप्पल)

धूप और कठिन मार्ग में चलने वालों हेतु यह दान उपयोगी माना गया है। मर्म : यह जीवनयात्रा में दूसरों के कष्ट कम करने का प्रतीक है।

8. पंखा दान

ग्रीष्मकाल में शीतलता देने हेतु पंखा दान अत्यंत पुण्यकारी माना गया। मर्मः यह क्रोध, ताप, क्लेश और मानसिक अशांति को शांत करने का संकेत है।

9. दीपदान

दीप अज्ञान के अंधकार को हरता है। मर्मः दीपदान केवल प्रकाश देना नहीं, बल्कि ज्ञान देना है। विद्या, सद्बुद्धि और मार्गदर्शन भी दीपदान है।

10. धनदानः

सत्पात्र को धन देना धर्म का अंग है। मर्मःधनदान लोभ के त्याग का अभ्यास है। धन का प्रवाह रुक जाए तो अहंकार बढ़ता है, सेवा में लगे तो पुण्य बढ़ता है।

आज के समय में दान कैसे करें?

प्यासे को पानी पिलाना, भूखे को भोजन देना, अक्षम विद्यार्थी को पुस्तक देना, वृक्ष लगाना, नदी अन्य जल स्त्रोतों की स्वच्छता का अभियान करना, बुजर्गों की सेवा करना आदि ।

आज के जमाने के गंगा दशहरा के दान है। जो सार्थक और परिणामकारी हैं।

कल्पना के महासागर में गोते लगाता युवा मन

पुस्तक चर्चा

धर्मेन्द्र कमरिया
समीक्षक

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध कथन है - 'कल्पनाएं ज्ञान से अधिक शक्तिशाली होती हैं।' कक्षा 8वीं की छात्रा मिराया भरत की किताब प्रोजेक्ट-टी 16 इस वाक्य की पूर्ण अभिव्यक्ति है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भरत यादव और प्रियंका यादव की सुपुत्री मिराया अपनी पहली किताब के जरिए पाठकों को कल्पना के एक ऐसे यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे दिमाग की विचार प्रक्रिया को विस्तार दिए बिना समझ पाना थोड़ा कठिन है।

कहानी की शुरुआत एक अनुभवी समुद्री जीव-विज्ञानी डॉ. सेरा के फोन की अचानक घंटी बजने से होती है, जिन्हें उनके सहयोगी डॉ. जूलियन स्ट्रैथमोर से एक आपात संदेश प्राप्त होता है। यह रहस्मयी संकेत बीते दो दशकों से अधिक समय से निष्क्रिय पड़े समुद्री स्टेशन से मिलता है, जो सतह से 10 हजार मीटर की गहराई में स्थित है। एक ऐसी गहराई जहां पर जीवन पाए जाने की संभावना लगभग शून्य थी। डॉ. ऐलेना कैल और साहसी कैप्टन जोनास थॉर्न सहित एक विशेष दल रहस्यमय जहाज एरेबस पर सवार होकर इस जोखिम भरी यात्रा के लिए रवाना होता है।

यह सफर एक वैज्ञानिक खोज वाले मिशन के रूप में शुरू होता है और जल्द ही एक रोमांचक एवं भयावह घटनाओं से घिरे अभियान में तब्दील हो जाता है, जिसमें समुद्री चक्रवात से लेकर पनडुब्बी के गहराई में उतरने और रहस्मयी जीवों की खोज तक अनेक घटनाक्रम शामिल हैं। जहाज में सवार होने की उत्सुकता से लेकर गहरे समुद्र में 16 भुजाओं वाले विशालकाय जीव कैलिप्सस मैग्नस से सामना होने तक, मिराया पाठक की जिज्ञासा को निरंतर बांधे रखती हैं। लेखिका ने हमारे महासागरों के अनछुए रहस्यों को उजागर करने के अलावा वास्तविक वैज्ञानिक अवधारणाओं जैसे- हाइड्रोथर्मल वेंट्स, बायोल्यूमिनेसेंस और गहरे समुद्री दबावों का जिक्र भी बड़े सहज तरीके से किया है।

किताब के अंतिम अध्याय में मिराया ने अभियान की सफलता और उसके नामकरण पर चर्चा करते हुए बताया कि किस प्रकार इस मिशन का नाम एलेना के सुझाव पर प्रोजेक्ट-T16 रखा गया। जबकि 16 भुजाओं वाले विशाल जीव के नाम का सुझाव स्वयं डॉ. सेरा ने प्रस्तुत किया। इस तरह एक दिलचस्प और रोमांचक कहानी का सुखद अंत होता है। अपने निष्कर्ष में लेखिका पाठकों को यही संदेश देने का प्रयास करती हैं कि यह कहानी किसी खोज या आविष्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें उन तथ्यों और रहस्यों को जानने-समझने का साहस भी देती है, जिनके बारे में हम अब तक अनभिज्ञ रहे हैं। लेखक का मानना है कि कुछ बातें हमारे ज्ञान, सीमाओं और नियंत्रण से परे हैं।

अद्भुत कल्पनाशीलता और प्रतिभा संपन्न मिराया के विचारों में समंदर जैसी गहराई साफ झलकती है। उनकी लेखन शैली जितनी रोचक है, भाषा उतनी ही सरल, सहज और समृद्ध। 30 पन्नों के इस साइंस फिक्शन में वे गागर में सागर भरने का प्रयास करती हैं। यह किताब युवाओं, विज्ञान प्रेमियों तथा अन्य पाठक वर्गों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में अपनी रचनात्मकता तथा विचारों की मौलिकता को कैसे संजोकर रखा जाए, यह समझने के लिए इस पुस्तक को जरूर पढ़ा जाना चाहिए।

पुस्तक का नाम - प्रोजेक्ट- टी 16
लेखक - मिराया यादव
प्रकाशक - ब्रि-बुक्स (एआई प्लेटफॉर्म)
पुस्तक का मूल्य - रू. 415/- मात्र

मेघा राठी महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान से सम्मानित

भोपाल। मेदिनी प्रेरणा साहित्यिक संस्था बेंगलुरु के एकादश वार्षिकोत्सव के अवसर पर भोपाल की साहित्यकारा एवं उपन्यासकार मेघा राठी को साहित्य के क्षेत्र में उनकी रचनात्मकता हेतु महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान के तहत उन्हें माला पहना कर शॉल, मोमेंटो, सम्मान पत्र, सम्मान राशि भेंट की गई। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा वीना मेदिनी, कार्यक्रम अध्यक्ष बिग्रेडियर दिलीप कुमार अचल, मुख्य अतिथि डॉ विनय कुमार यादव, विशिष्ट अतिथि मिट्ठू मिठास, मंजू गुप्ता ,रचना उनियाल डॉ शशि मंगल सहित शहर के अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री पर केंद्रित केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन' का लोकार्पण

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'अपनापन' का लोकार्पण भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मान. श्री एच.डी. देवगौड़ा की गरिमामयी उपस्थिति में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति मान. श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा 26 मई, 2026 को भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार, एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लैक्स, पूसा, नई दिल्ली में संपन्न होगा। इस भव्य कार्यक्रम में भारत सरकार के अनेक मंत्री, राज्यपाल, अनेक प्रदेशों के मुख्यमंत्री, समाजधर्मी एवं लेखक-पत्रकार उपस्थित होंगे।

'अपनापन' एक ऐसी आत्मीय और प्रेरणादायी कृति है, जिसमें श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में देखे, सीखे और आत्मसात् किए गए अनुभवों का सजीव संकलन प्रस्तुत किया गया है। श्री चौहान ने तीन दशकों से भी अधिक समय तक मोदीजी को विभिन्न भूमिकाओं में निकट से देखा है, और उनसे सीखा है—जब दोनों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता थे, जब वे अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री थे, जब वे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और मोदीजी भारत के प्रधानमंत्री थे और आज जब वे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं। यह पुस्तक उन मूल्यों, दृष्टिकोण और कार्यशैली को भी अभिव्यक्त करती है, जिन्हें उन्होंने इस दीर्घ सहयात्रा में आत्मसात् किया।

यह केवल घटनाओं-मात्र का विवरण नहीं, बल्कि एक विचार-यात्रा है—जहाँ संगठन, समर्पण और संदेश के माध्यम से नेतृत्व, सेवा और राष्ट्र-निर्माण के सूत्र उभरकर सामने आते हैं। 'सेवा', 'अंत्योदय', 'जन भागीदारी', 'राष्ट्रप्रथम' और 'लोक कल्याण' जैसे मूलमंत्र पुस्तक के केंद्र में हैं, जो न केवल गवर्नेंस की दिशा तय करते हैं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा भी देते हैं।

यह कृति पाठकों को बताती है कि कैसे दृढ़ संकल्प, स्पष्ट दृष्टि और निरंतर परिश्रम से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। 'अपनापन' एक नेता के साथ बिताए गए पलों का संग्रह ही नहीं, बल्कि उन मूल्यों का दर्पण है, जो राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं।

इस पुस्तक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन के विविध आयामों, उनकी कार्ययोजनाओं, उनका सफल कार्यान्वयन और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र को दर्शाया गया है। यह पुस्तक न केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों तथा समाज के हर क्षेत्र के पाठक के लिए उपयोगी होगी। शिवराज सिंह चौहान का जन्म 5 मार्च, 1959 को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुधनी तहसील के जैत गाँव में हुआ। वर्ष 1974 में, मात्र 15 वर्ष की उम्र में, वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) से जुड़े, जिसने उनमें अनुशासन, राष्ट्र-प्रेम दृष्टिकोण और सेवा के आदर्शों को गहराई से स्थापित किया। 1975 में 1975 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में सक्रिय हुए और आगे चलकर भारतीय जनता युवा मोर्चा में प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका निभाई, राष्ट्रीय महामंत्री और फिर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने एवं संसदीय बोर्ड के सचिव भी रहे।

उनका निर्वाचित जीवन 1990 में शुरू हुआ, जब वे पहली बार बुधनी से विधायक चुने गए। एक वर्ष बाद, 1991 में, उन्होंने विदिशा लोकसभा सीट जीती और इसी क्षेत्र की जनता से उनका गहरा और लंबे समय का रिश्ता शुरू हुआ, जिसके चलते वे लगातार पाँच बार लोकसभा के लिए चुने गए। नवंबर 2005 में शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 2005 से 2018 और फिर 2020 से 2023 तक चार कार्यकालों में उन्होंने मध्य प्रदेश का सबसे लंबा कार्यकाल संचालित करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई।

2024 में वे पुनः विदिशा से 18वीं लोकसभा के लिए चुने गए और वर्तमान में भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं।

प्रभात प्रकाशन प्रा.लि. सन् 1958 से साहित्य की प्रायः सभी विधाओं में एक विस्तृत पाठक वर्ग को श्रेष्ठतम पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराते हुए वर्तमान में देश और विदेश में हिंदी पुस्तकों के प्रमुख और सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन-गृह के रूप में 10,000 पुस्तकों का प्रकाशन कर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उत्तम गुणवत्ता के लिए पिछले बीस वर्षों से लगातार 'सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन' के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित। हिंदी पाठकों को सुरुचिपूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अगस्त 1995 में लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार पं. विद्यानिवास मिश्र के संपादकत्व में मासिक पत्रिका साहित्य अमृत का प्रकाशन प्रारंभ, जो अब साहित्यिक जगत् में एक सुपरिचित नाम बन गया है।

सड़क का नाम मां कर्मा देवी मार्ग नाम रखने की मांग की

सोहागपुर। साहू समाज ने स्टेशन रोड का नामांकरण,कोर्ट चौराहे का 'माँ कर्मा देवी मार्ग' रखने की मांग की है। इस संबंध में साहू समाज के गणमान्य नागरिकों संबंध अधिकारियों नगरपालिका अधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा सहित राजनेताओं को ज्ञापन सौंपा गया है। इस संबंध में साहू समाज के अध्यक्ष भरत कुमार साहू ने बताया कि मां कर्मा देवी जयंती के अवसर पर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह ने साहू समाज की आराध्य देवी 'कर्मा जयंती' के समय स्वजातीय बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति में विधायक विजयपाल सिंह से एक मार्ग का नाम मां कर्मा देवी रखने की मांग की गई थी। जिसमें क्षेत्रीय विधायक ने आश्वस्त। करते घोषणा की थी कि माँ कर्मा बाई के नाम पर कोर्ट चौराहे से रेल्वे स्टेंशन तक के मार्ग का नामांकरण 'माँ कर्मा देवी मार्ग' के नाम से किया जाएगा। ज्ञापन में संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि साहू समाज की आराध्य देवी माँ कर्मा के नाम से न्यायालय चौराहा से रेल्वे स्टेंशन तक 'माँ कर्मा देवी मार्ग' करने के आदेश जारी करें। इस अवसर साहू समाज के अध्यक्ष भारत कुमार साहू, ब्रजेश साहू सहित कई सजातीय बन्धु उपस्थित थे।

आस्था, संस्कृति और विकास का संगम बनेगा खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर : मंत्री सारंग

भोपाल। राजधानी भोपाल के प्राचीनतम और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में निर्माणाधीन श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर के निर्माणाधीन कार्यों का सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कॉरिडोर का निर्माण चरणबद्ध तरीके से तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को शीघ्र बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

आस्था और विरासत को मिलेगा भव्य स्वरूप- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर भोपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। सदियों से यह मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। इसी विरासत को संरक्षित करते हुए 'विरासत भी और विकास भी' की भावना के साथ श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भोपाल की सांस्कृतिक धरोहर को भव्य स्वरूप प्रदान करेगी और आने वाले समय में धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगी।

निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश- निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान श्रद्धालुओं, स्थानीय रहवासियों एवं व्यापारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों के क्रियान्वयन में न्यूनतम विस्थापन सुनिश्चित किया जाए तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

गांधी भवन में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

भोपाल। गांधी भवन न्यास द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित 14 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को गांधी भवन सभागार में समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कला, संस्कृति और गांधीवादी विचारों का सुंदर संगम देखने को मिला। शिविर में भाग लेने वाले किशोरों और युवाओं ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कला प्रदर्शनी में शिविरार्थियों द्वारा तैयार की गई आर्ट, क्राफ्ट, गोंड आर्ट, मधुबनी आर्ट सहित विभिन्न कलात्मक कृतियों का प्रदर्शन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने गीत, नृत्य, अभिनय और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित विशेष नाट्य प्रस्तुति रही। इस नाटक की विशेषता यह रही कि इसकी कल्पना, लेखन और मंचन स्वयं बच्चों द्वारा किया गया। नाटक का निर्देशन गीता ने किया।

किशोर एवं युवाओं ने लोक गायन सहित कई नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें गांधी जी के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका प्रमुख रही, जिसका निर्देशन भगवती, तृप्ति सैयाम व हर्ष माली ने किया।

बांसुरी पर गांधी जी का प्रिय भजन रघुपति राघव भरत भलावी ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अरुणा गुप्ता, सचिव लोकायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि कला और संस्कृति बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महेश सक्सेना, संस्थापक - बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र ने कहा कि आज के समय में बच्चों को केवल शैक्षणिक शिक्षा नहीं बल्कि संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक बनाने की भी आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि राजेश बादल, कोषाध्यक्ष गांधी भवन न्यास, राकेश दीवान, वरिष्ठ न्यासी गांधी भवन न्यास, रूपल अजबे, न्यासी गांधी भवन न्यास तथा कविता शर्मा, ख्यात लोक गायिका ने भी अपने वक्तव्यों में बच्चों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की और कहा कि कला समाज को जोड़ने और संवेदनशील बनाने का माध्यम है।

इस अवसर पर गांधी भवन न्यास के सचिव अंकित मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना तथा उन्हें कला, संस्कृति और गांधीवादी मूल्यों से जोड़ना है।

कार्यक्रम की भूमिका एवं प्रस्तावना को भगवती कड़वे ने रखा एवं मोहन दीक्षित ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन आयुषी सल्लम, शौर्य सिसोदिया व भरत भल्लवी ने किया।

उप मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा पर जल संरक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम में की सहभागिता

खेमसागर तालाब का होगा जीर्णोद्धार, बनेगा घाट : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। गंगा दशहरा प्राचीन काल से जल संरक्षण और जल संवर्धन दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। गंगा दशहरा पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा जनपद अन्तर्गत ग्राम लोही के पवित्र खेमसागर तालाब में आयोजित जल संरक्षण एवं जल जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अभियान को जन आन्दोलन बनाना है। वर्तमान परिदृश्य में तथा आने वाली पीढ़ी को दृष्टिगत रखते हुए पानी बचाना आवश्यक है। श्री शुक्ल ने कहा कि खेमसागर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य कराया जायेगा तथा सुंदर घाट का निर्माण होगा। उन्होंने इस अवसर पर जलपूजन कर गंगा कलश यात्रा में सहभागिता की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान जी के पवित्र स्थल खेमसागर तालाब से इस अभियान का शुभारंभ हो रहा है। जिससे यह अभियान सफल होगा और रीवा जिले के हर गांव व शहर में जल संरक्षण के कार्य होंगे और जिला संपूर्ण प्रदेश में जल गंगा संरक्षण अभियान में अब्बल होगा। श्री शुक्ल ने कहा कि जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व संरक्षण के कार्य में आमजनता अधिक से अधिक भागीदारी निभाये और तालाब में उस स्थान की खुदाई की जाय जहां से पानी की आवक हो। अभी जितनी मेहनत से कार्य होंगे उसके सुखद परिणाम सामने आयेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जमीन से जितना पानी निकालें उससे ज्यादा पानी जमीन में डालें। जल संरक्षण के लिये नदियों के उद्गम स्थल, तालाबों, पंरपरागत स्त्रोतों की साफ-सफाई व जल संवर्धन के कार्यों के साथ वाटर हार्वेटिंग से जल स्तर में सुधार होगा। श्री शुक्ल ने बताया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा केएसओआर में पीएचई के मरम्मत के कार्य सरपंच करायें व नल जल योजनाओं का संचालन व संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के हर घर स्वच्छ पानी पहुंचाने का संकल्प पूरा हो रहा है। घर-घर में मीठा पानी पहुंचेगा और पानी से होने वाली बीमारियों नहीं होगी और अस्पतालों की भीड़ भी कम होगी। श्री शुक्ल ने बताया कि गांव-गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है सभी लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें व जांच करायें। उन्होंने जिले वासियों को गंगा दशहरा की शुभकामना देते हुए सुखमय व स्वस्थ जीवन की कामना की। श्री शुक्ल ने खेमसागर में विराजमान हनुमान जी के दर्शन किये। इससे पूर्व संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक ने बताया कि गंगा दशहरा के अवसर पर जल बचाने की मुहिम में जन सहयोग आवश्यक है। ग्राम व शहरवासी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्साले रहे हैं रीवा शहर में उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से पूर्व में ही कई तालाबों का जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण हो चुका है। बीहर रिवर फ्रंट के माध्यम से नदी संरक्षण का कार्य उदाहरण है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच नीलेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, राजेश यादव, भूपेन्द्र सिंह सिंह, राजगोपाल मिश्रचारी, सीईओ जनपद पूनम दुबे, अमित अवस्थी, रश्मी गौतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जिला संयोजक जन अभियान परिषद जागेश्वर ताम्रकार ने किया।

उप मुख्यमंत्री ने आर्थिका माताओं को भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जैन मंदिर रीवा पहुंचकर उपशममति माता जी एवं श्रुतमति माता जी को भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दोनों आर्थिका माताओं का असमय देवलोक गमन अत्यंत दुखद एवं अपूर्णनीय क्षति है। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, तप, स्वाध्याय और साधना का प्रेरणा स्त्रोत रहा है। वे सदैव धर्म, संयम और आत्मकल्याण की भावना से समाज का मार्गदर्शन करती रहीं है। उनका मार्गदर्शन हमें प्रेरणा देता रहेगा। श्री शुक्ल ने जैन मंदिर में भगवान के दर्शन किये तथा विराजमान माताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आत्मा परियोजना अंतर्गत कृषक संगोष्ठी एवं कृषि रथ कार्यक्रम आयोजित

किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक, प्राकृतिक खेती एवं विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

विदिशा (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा संचालित 'कृषि रथ' का संचालन विकासखंड विदिशा की समस्त ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सकाळखेड़ा खुर्द, पीपलखेड़ा एवं सतपाड़ा सराय में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के माध्यम से कृषक संगोष्ठी एवं कृषि रथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आगामी खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों, प्राकृतिक खेती तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि उपज मंडी एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए किसानों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही किसानों से योजनाओं के आवेदन भी भरवाए गए। गंजबासौदा से पधारे कृषि विशेषज्ञ घनश्याम जमालिया एवं पीएनबी ट्रेनिंग सेंटर के कृषि विशेषज्ञ एस.एस. तोमर ने किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने धान, मक्का एवं सोयाबीन फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट नियंत्रण, कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपाय, मृदा समतलीकरण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पीपलखेड़ा के सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि, जनपद सदस्य एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विशाल यादव ने किसानों को फसल विविधीकरण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी। वहीं आत्मा परियोजना के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक प्रदीप मालवीय ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रेरित करते हुए जीवामृत, घनजीवामृत एवं अन्य प्राकृतिक उत्पादों के लाभ और निर्माण विधि की जानकारी प्रदान की। कृषि विस्तार अधिकारी गजेंद्र रघुवंशी द्वारा किसानों को मृदा नमूना लेने की वैज्ञानिक विधि समझाई गई तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। संगोष्ठी के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया। सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों ने किसानों को कार्ड वितरित करते हुए उसमें दर्शाई गई पोषक तत्वों की कमी के अनुसार सुधार एवं संतुलित पोषण प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ाने के लिए जीवामृत के उपयोग को लाभकारी बताया। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आत्मा परियोजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों को प्राकृतिक खेती किट भी वितरित की गई, जिससे किसान कम लागत में टिकाऊ खेती की तकनीकों को अपना सकें।

ग्रामीण समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शनिवार को घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम बाकूड़ और जामखोदर में जिला अधिकारियों के साथ ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि गत दिवस घोड़ाडोंगरी जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक में ग्राम बाकूड़ और जामखोदर में अधिक शिकायतें आने पर दूसरे दिन पहुंचकर कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्राम बाकूड़ में ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनने की शिकायत पर उन्होंने शिविर आयोजित कर शेष बचे ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए। बाकुड में पंचायत भवन निर्माण 15 जून तक शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। ग्राम गाताखेड़ा और जुआझार में मोबाइल नेटवर्क की समस्या पर संबंधित अधिकारी को समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

यूरिया खाद की कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

कृषि सेवा केंद्र का लाइसेंस निलंबित

बैतूल (निप्र)। जिले के मुलताई विकासखंड के मां यमुना कृषि सेवा केंद्र मोही एवं अमरूते एग्री क्लीनिक परमंडल पर यूरिया खाद की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। किसानों की शिकायत पर प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री राजीव कहार के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए दुकान का निरीक्षण किया। जांच में खाद निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बेचना पाया गया। साथ ही स्टॉक रजिस्टर नहीं रखना और विक्रय बोर्ड नहीं लगाए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान मधु कौशिक और अशोक रघुवंशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि केंद्र संचालक किसानों को अधिक कीमत पर यूरिया खाद बेच रहा है। शिकायत के बाद असिस्टेंट कलेक्टर पुष्पराज नानासाहेब खोट, तहसीलदार संजय बरैया और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी घनश्याम घिड़ोडे ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय होना पाया गया। दुकान पर विक्रय मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं थी और स्टॉक रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के नियमों का उल्लंघन है। अधिकारियों ने इसे खाद की कालाबाजारी से जुड़ा मामला मानते हुए तत्काल प्रभाव से दोनों उर्वरक विक्रेताओं की अनुज्ञप्ति को निलंबित कर दिया है एवं तत्काल प्रभाव से विक्रय प्रतिबंधित करके दूकान को सील कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नियमित समीक्षा और मॉनीटरिंग से प्रकरणों के निराकरण में आई तेजी

रायसेन (निप्र)। जिले में राजस्व प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से कार्य प्रगति की समीक्षा की जा रही है। प्रतिदिन की जा रही समीक्षा के सकारात्मक परिणाम भी परिलक्षित हो रहे हैं। राजस्व प्रकरणों एवं सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उल्लेखनीय गति आई है तथा लंबित मामलों की संख्या में कमी दर्ज की जा रही है। अधिकारियों द्वारा मैदानी स्तर पर सक्रियता बढ़ाते हुए शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को भी प्रातः कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अनुभाग और तहसीलवार राजस्व प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी एसडीएम तथा तहसीलदारों से गत दिवस निराकृत किए गए राजस्व प्रकरणों, निराकरण हेतु शेष प्रकरणों तथा आज निराकृत किए जाने वाले प्रकरणों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा सभी एसडीएम तथा अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निराकरण उपरांत प्रतिवेदन जिला स्तर पर प्रेषित करने के लिए भी निर्देशित किया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखण्डों से सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

सोहागपुर मदिरा दुकानों के आसपास अवैध गतिविधियों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में मदिरा दुकानों के आसपास अवैध रूप से संचालित गुमटियों एवं ढाबों तथा सार्वजनिक स्थलों पर मदिरापान करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस द्वारा मदिरा दुकानों के आसपास संचालित गुमटियों एवं ढाबों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मदिरा दुकान सोहागपुर-1, मदिरा दुकान ग्राम बोदी, अविनाश ढाबा एवं मढ़ई ढाबा का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर मदिरापान करते पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण कायम किए गए। साथ ही संबंधित मदिरा दुकानों में उपस्थित अभिकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए गए कि दुकान के आसपास किसी भी प्रकार से मदिरापान न कराया जाए तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान मढ़ई ढाबा में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया। उक्त अनियमितता पाए जाने पर दो घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। उक्त संयुक्त कार्रवाई राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग द्वारा की गई। अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी ने बताया कि अवैध गतिविधियों, सार्वजनिक स्थलों पर मदिरापान तथा नियम विरुद्ध कार्यों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत मास्टर वॉलंटियर्स का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर नशामुक्ति जनजागरूकता को प्रभावी बनाने हेतु को जिला पंचायत सभागृह नर्मदापुरम में मास्टर वॉलंटियर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) हिल्स, भोपाल के माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वाल्मी भोपाल के स्टेट ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर डॉ. अतुल रायजादा ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित होकर मास्टर वॉलंटियर्स को नशामुक्ति के विभिन्न पहलुओं, समाज पर नशे के दुष्प्रभावों तथा जनजागरूकता फैलाने की प्रभावी रणनीतियों के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों एवं जनसहभागिता से समाज को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखा जा सकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग नर्मदापुरम डॉ. बबीता राठौर ने मास्टर वॉलंटियर्स से अपील करते हुए कहा कि समाज में नशे से पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें इस बुराई से बाहर निकालने में सहयोग करें तथा जनजागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से डॉ. अंकिता मेहतो, मनोचिकित्सक, डॉ. नाजिया सिद्दिकी, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, श्री महेश कुमार विश्वकर्मा, जिला नोडल अधिकारी जिला शिक्षा कार्यालय नर्मदापुरम, गायत्री परिवार से श्री ओमप्रकाश गौर एवं ब्रह्मकुमारी आश्रम के प्रतिनिधियों द्वारा भी नशामुक्ति के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा खेल एवं युवक कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। साथ ही जनअभियान परिषद के प्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सचिव, गायत्री परिवार, ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, विभिन्न अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा इटारसी एवं नर्मदापुरम के नशामुक्ति केंद्रों के संचालक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. अतुल रायजादा द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मास्टर वॉलंटियर्स को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के साथ ही गरिमामयी एवं उद्देश्यपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। अंत में डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर ने आभार प्रकट किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ

श्रमिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व-मंत्री श्री पटेल

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों और उनके आश्रितों को कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ दिया जायेगा। यह श्रमिकों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय है। मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल और उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार की गरिमामयी उपस्थिति में श्रम विभाग और आयुष विभाग के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। इस एमओयू पर आयुष विभाग की ओर से आयुक्त डॉ. संजय मिश्र और श्रम विभाग (ईएसआईसी) की ओर से संचालक डॉ. सी. एस. जायसवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री शोभित जैन एवं श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज एम आर सहित दोनों ही विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है और यह पहल भारतीय चिकित्सा पद्धति को आमजन में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर प्रदेश के श्रमिक सामूहिक रूप से योग कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश देंगे। मंत्री श्री परमार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को विश्वसनीयता के साथ आमजन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस एमओयू के तहत की जा रही गतिविधियों की हर वर्ष समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार सुविधाओं का विस्तार भी किया जायेगा। इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमिक वर्ग में योग और सूर्य नमस्कार से स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए श्रम विभाग द्वारा आयुष विभाग के सहयोग से तैयार किए गए एक विशेष 'लोगो' का भी विमोचन किया गया। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लाभार्थियों को राज्य के शासकीय आयुष संस्थानों, जैसे चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला चिकित्सालयों, एलोपैथिक अस्पतालों में संचालित आयुष विंग्स और औषधालयों के माध्यम से समग्र, सुलभ और पूरी तरह से कैशलेस चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

पिपरिया में अवैध गतिविधियों पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर के निर्देश और एसडीएम पिपरिया के मार्गदर्शन में प्रशासन ने अवैध शराब सेवन और अनियमितताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। राजस्व, आबकारी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने शहर की शराब दुकानों, ढाबों और गुमटियों का सघन निरीक्षण किया।

नायब तहसीलदार नीरज सिंह बैस के नेतृत्व में टीम ने मंडी रोड, बस स्टैंड और इतवारा बाजार स्थित शराब दुकानों के आसपास जांच की। इस दौरान हवेली ढाबा, साईं सिलारी ढाबा, साईं फैमिली ढाबा, सतपुड़ा ढाबा और नैवेद्य ढाबा में विशेष चेकिंग की गई। निरीक्षण में हवेली ढाबा, साईं फैमिली ढाबा और इतवारा बाजार शराब दुकान के पास एक गुमटी में खुलेआम शराब पिलाने की शिकायत सही पाई गई। टीम ने मौके पर लोगों को सार्वजनिक रूप से मदिरापान करते पकड़ा। इस पर म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 36(अ) एवं 36(ब) के तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किए गए। साथ ही साईं फैमिली ढाबा में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पाया गया। नियम तोड़ने पर एक सिलेंडर जब्त कर संचालक को कड़ी चेतावनी दी गई। नायब तहसीलदार नीरज सिंह बैस ने शराब दुकान संचालकों को साफ निर्देश दिए कि दुकानों के आसपास किसी भी हाल में शराब न पिलाई जाए। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा। चेतावनी दी गई कि अगली बार नियम तोड़ने पर और कठोर कार्रवाई होगी।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक हितेश कुमार बिशोरिया, आरक्षक गणपति बोबड़े, योगेंद्र सिंह ठाकुर, नगर सैनिक बसंत पटेल, संतोष ठाकुर शामिल रहे। पुलिस विभाग से सहायक उपनिरीक्षक दिलीप सिंह परते, मुख्य आरक्षक साजिद अली, आरक्षक अनिल, प्रतीक साहू एवं सतीश पटेल ने सहयोग किया। प्रशासन की इस छापेमारी के बाद शहर में अवैध रूप से शराब पिलाने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे संयुक्त अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे और अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया सीहोर जिला जेल का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान जेल में विधिक जागरूकता शिविर भी आयोजित किया गया। जागरूकता शिविर में बंदियो के अधिकारों, विधिक सहायता, सलाह एवं तहसील न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रधान जिला न्यायाधीश ने निरीक्षण के दौरान विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद एवं सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पाकशाला, जेल लीगल एड क्लीनिक, मुलाकाती लीगल एड हेल्प डेस्क, जेल डिस्पेंसरी, महिला सेल, बंदियों के बैरक, पानी एवं रोशनी की व्यवस्था, डॉक्टरों की उपलब्धता, बीमार बंदियों के उपचार सम्बंधी सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता आदि का निरीक्षण किया।

भाटनी ग्राम में शमशान भूमि चिन्हित, ग्राम पंचायत को सौंपा गया कब्जा

विदिशा (निप्र)। विदिशा तहसील के ग्राम भाटनी में ग्रामीणों की सुविधा एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग द्वारा शमशान हेतु भूमि का चिन्हांकन कार्य पूर्ण कर लिया गया। राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर निर्धारित भूमि का सीमांकन एवं सत्यापन किया गया। कार्यवाही उपरांत संबंधित भूमि का विधिवत कब्जा ग्राम पंचायत भाटनी को सौंप दिया गया, जिससे भविष्य में अंतिम संस्कार संबंधी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा सकें। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान, 55 संस्थाओं ने की सहभागिता

पंख कार्यक्रम के तहत स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

विदिशा (म.प्र. जन अभियान परिषद जिला विदिशा के तत्वावधान में दृष्टि योजना अंतर्गत 'पंख कार्यक्रम' के तहत स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन गत दिवस जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया था। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया ने की जिले में कार्यरत 55 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक की शुरुआत जिला समन्वयक श्रीमती पूजा बंधैया द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए की गई। उन्होंने म.प्र. जन अभियान परिषद की विभिन्न योजनाओं एवं अब तक किए गए कार्यों का पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विवरण दिया। साथ ही आगामी त्रैमासिक कार्ययोजना की जानकारी अधिकारियों एवं उपस्थित स्वैच्छिक संगठनों को दी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि स्वैच्छिक संगठन शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने नशामुक्ति अभियान, घुमंतू सर्वे कार्य को समय पर पूर्ण करने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं स्वैच्छिक संगठन मिलकर जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करें, ताकि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि 25 मई को पूरे जिले में वृहद स्तर पर जल यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। सभी स्वैच्छिक संगठनों से अपने-अपने क्षेत्रों में जल यात्राएं निकालकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने का आग्रह किया गया। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से उपस्थित श्री संजय सिंह ने महिलाओं से संबंधित योजनाओं, लाभ एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को बचत एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक दीपक बाथम, सरिता पाठक, चरण सिंह दांगी, भीकम सिंह दांगी, स्वदेश आचार्य एवं आशीष कुमार जैन सहित शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, लीड बैंक, महिला एवं बाल विकास विभाग, एसआरएलएम तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं उनसे जुड़ी स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेशवासी गंगा दशहरा पर जल की बूंद-बूंद सहेजने का संकल्प लें

हमारी नदियां-बावड़ियां ही मप्र का असली श्रृंगार: सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों के नाम एक संदेश दिया है। सीएम ने कहा- भारतीय संस्कृति में नदियों के देवी स्वरूप होने और जल संरक्षण को राष्ट्र निर्माण का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जल सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग लगा रहा है।

जल के प्रति कृतज्ञता और पीएम मोदी का विजन

मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा को जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व बताया। सीएम ने अपने ब्लॉग में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप देकर 'जल है तो कल है' के संकल्प को साकार किया है। जल शक्ति मंत्रालय का गठन, नमामि गंगे और अमृत सरोवर जैसे मिशनों ने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है। देशभर में तैयार हुए 70 हजार से अधिक अमृत सरोवरों ने वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज की क्षमता को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया है।

मध्यप्रदेश का 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' पूरे जोर-शोर से चलाया जा रहा है। वर्ष 2025 की सफलता के बाद साल 2026 में भी यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक सक्रिय है। इस अभियान के तहत प्रदेश की नदियों, तालाबों, कुओं और ऐतिहासिक बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।सरकार इस पूरी परियोजना पर लगभग 2500 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, जिसमें 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम का संधारण शामिल है।

सामुदायिक जिम्मेदारी और मुख्यमंत्री की अपील

ब्लॉग के अंत में मुख्यमंत्री ने इस अभियान को केवल सरकारी प्रयास न मानकर एक सामूहिक संकल्प बताया है। उन्होंने 'पानी चौपाल' जैसे कार्यक्रमों के जरिए समाज के हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को इस आंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. यादव ने संदेश दिया कि यदि हम आज जल स्त्रोतों का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का लाभ ले सकेंगी। उन्होंने हर नागरिक से एक स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश बनाने में योगदान देने की अपील की है।

अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक धरोहर का संगम

मुख्यमंत्री के अनुसार मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ की समृद्धि सीधे तौर पर जल की उपलब्धता से जुड़ी है। 'रिज-टू-वैली' मॉडल और आधुनिक सिंचाई तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश की प्राचीन बावड़ियां और तालाब हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका जीर्णोद्धार न केवल जल संकट को दूर करेगा, बल्कि राज्य में पर्यटन के नए अवसर भी पैदा करेगा।

मंत्री जी का 'फ्लॉप' पैदल मार्च और रीलबाजी

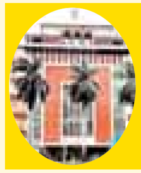

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

प्रधानमंत्री की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील को कुछ मंत्रियों ने 'प्रोपेगैंडा' का जरिया बना लिया है। ई-रिक्शा और ऑटो की नौटंकी के बाद, पिछले दिनों एक माननीय मंत्री जी मंत्रालय की बैठक निपटाकर 74 बंगले स्थित अपने निवास तक पैदल ही चल दिए। मंशा थी कि पीछे समर्थकों का हुजूम उमड़ेगा, लेकिन किस्मत खराब थी। साथ में सिर्फ सुरक्षा गार्ड ही चले। राहगीरों ने भाव तक नहीं दिया। हद तो तब हो गई जब मंत्री जी रास्ते भर अपने निजी फोटोग्राफर को 'फिल्मी डायरेक्टर' की तरह रील बनाने के निर्देश देते रहे। जनता तो आकर्षित नहीं हुई, पर रील जरूर बन गई!

कार्यसमिति बैठक का इंतजार

मध्य प्रदेश भाजपा के मुखिया हेमंत खंडेलवाल को कमान संभाले आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन प्रदेश कार्य समिति की बैठक अब तक ठंडे बस्ते में है। वजह संगठन मंत्री की कुर्सी खाली पड़ी है। अब हाल यह है कि आम कार्यकर्ता अपनी फरियाद लेकर जाए तो किसके पास जाए? प्रभारी संगठन मंत्री तक आम कार्यकर्ताओं की पहुंच 'पहाड़ चढ़ने' जैसी है। प्रभारी कार्यकर्ता तो क्या पदाधिकारियों से भी अपरिचित हैं और मंत्रियों की दफ्तरों में बैठने की व्यवस्था महज कागजी और दिखावटी साबित हो रही है। बिना संगठन मंत्री के पूरी फौज नेतृत्वविहीन होकर हवा में तीर चला रही है।

नेताओं की 'लाइसेंसी' गुहार

भोपाल कलेक्टोरेट में इन दिनों विकास कार्यों के लिए नहीं, बल्कि अपनी निरस्त हो चुकी रिवॉल्वर के लाइसेंस बहाल कराने के लिए नेताओं के चक्कर लग रहे है। आपराधिक मामलों के दाग के कारण जिला प्रशासन ने जिन हथियारों के लाइसेंस छीने थे, अब उन्हें वापस पाने के लिए नेताजी लोग हाई कोर्ट के आदेश और राजनीतिक मुकदमों की दुहाई दे रहे हैं। राजधानी के एक रसूखदार भाजपा नेता से लेकर माननीय पार्षद जी तक, सब कलेक्टर के सामने हाथ जोड़े 'लाइसेंसी' हाजिरी लगा रहे हैं।

बैठकों के 'मारे' एसीएस

तीन-तीन भारी-भरकम विभागों का बोझ उठा रहे राज्य शासन के एक प्रमुख अपर मुख्य सचिव साहब इन दिनों मीटिंगों के अंतहीन सिलसिले से त्रस्त हैं। रोज रात के 8 बजाना तो अब उनके लिए 'न्यू नॉर्मल' हो गया है। जब उन्होंने अपना यह दर्द एक समकक्ष अधिकारी के सामने रोया, तो वहां से भी सिर्फ 'वक्त काटने' का दिलासा मिला। साहब पहले एक वजनदार विभाग में थे, जहां इतनी माथापच्ची नहीं थी; बस दिल्ली से एक प्रोजेक्ट की निगरानी कर अपनी नंबर गेम बढ़ा ली थी। अब असली काम करना पड़ रहा है, तो पसीने छूट रहे हैं।

थाना प्रभारी की विदाई तय!

राजधानी के एक हाई-प्रोफाइल आत्महत्या मामले में पुलिसिया लापरवाही का घड़ा अब भरने को है। संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी की भूमिका शुरू से ही संदिग्ध रही है। अब जब मामले की आंच बड़ी जांच एजेन्सी तक पहुंच चुकी है और पीड़ित परिवार अड़ा हुआ है, तो पुलिस कमिश्नर जल्द ही टीआई साहब को नापने की तैयारी में हैं। वैसे भी इन महोदय की शिकायतें पहले से ही कमिश्नर दफ्तर में धूल खा रही थीं और स्थानीय विधायक जी भी इन्हें एक मामले में सेवा शुल्क को लेकर सरेआम लताड़ चुके हैं। अब इनका लाइन हाजिर होना या सस्पेंड होना बिल्कुल तय माना जा रहा है।

वक्फ बोर्ड ने 850 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी

सीएम यादव बोले-पढ़ाई से बदलेगा भविष्य, वक्फ संपत्तियों के सुधार में मप्र सबसे आगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से राज्य स्तरीय स्कॉलरशिप वितरण समारोह आयोजित किया गया। रवींद्र भवन में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 850 मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलर शिप दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों का भविष्य बदल सकती है और सरकार हर वर्ग के छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

वक्फ बोर्ड बनने के बाद पहली बार राज्य स्तरीय स्कॉलरशिप- कार्यक्रम में बताया गया कि वक्फ बोर्ड के गठन के बाद पहली बार राज्य स्तर पर स्कॉलरशिप दी गई है। बोर्ड ने अब तक 1452 बच्चों को दोबारा पढ़ाई से जोड़ा है। इनमें ऐसे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने आर्थिक या सामाजिक कारणों से पढ़ाई छोड़ दी थी।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड, कमेटी इंजामिया औकाफ-ए-अम्मा, औकाफ-ए-खास भोपाल और ताजुल मसाजिद से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। हज कमेटी अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल और डॉ. फरजाना गुंजन समेत कई लोगों ने शिक्षा को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताया।

सीएम बोले- शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं, जिंदगी बदलने का रास्ता- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्कॉलरशिप सिर्फ आर्थिक मदद नहीं है, बल्कि बच्चों के सपनों को पूरा करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर और दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ें और देश के विकास में योगदान दें।

सीएम ने कहा कि समाज में शिक्षा का सबसे बड़ा महत्व है। शिक्षा इंसान को आगे बढ़ने की ताकत देती है। उन्होंने रहीम के दोहे का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे पानी का महत्व जीवन में है, वैसे ही शिक्षा का महत्व इंसान के जीवन में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। वक्फ बोर्ड की व्यवस्था और आय में सुधार किया जा रहा है ताकि गरीब और जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों को वक्फ बोर्ड की ओर से स्कॉलरशिप दी गई है, उन्हें राज्य सरकार भी उतनी ही सहायता राशि देगी।

नए कानून से बोर्ड की व्यवस्था में सुधार- मुख्यमंत्री ने कहा कि नए वक्फ कानून के बाद व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है। बोर्ड की संपत्तियों का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और अवैध कब्जे हटाने का काम भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की आय बढ़ने से गरीब बच्चों की शिक्षा में और मदद मिल सकेगी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जिक्र करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई नहीं छोड़नी चाहिए। शिक्षा और मेहनत से कोई भी बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मंडप में जिसने भाई बनकर किया कन्यादान, वो निकला पति

'लुटेरी दुल्हन' और उसके गिरोह ने ऐसे बनाया ठगी का शिकार

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक ऐसा आपराधिक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने सामाजिक ताने-बाने और शादी जैसे पवित्र रिश्ते को झकझोर कर रख दिया है। शहर के झांसी रोड थाना क्षेत्र के नाका चंद्रवदनी इलाके में एक शातिर 'लुटेरी दुल्हन' और उसके गिरोह ने मिलकर जबलपुर के एक युवक को अपनी ठगी का शिकार बनाया।

इस पूरी साजिश का सबसे खौफनाक पहलू यह रहा कि शादी के मंडप में जिस शख्स ने भाई की भूमिका निभाकर रस्में पूरी कीं, वह असल में दुल्हन का पहला पति था। यह पूरा खेल युवक की जिंदगी की गाढ़ी कमाई और घर के जेवरात समेटने के लिए रचा गया था, लेकिन दुल्हन की एक चैट ने इस पूरे काले साम्राज्य का पर्दाफाश कर दिया।

होटल में धूमधाम से हुई थी शादी

बीते 7 मई को पाटनकर चौराहा स्थित सुखसागर होटल में पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ रतन लाल और दीक्षा की शादी धूमधाम से संपन्न हुई, जिसमें पीड़ित परिवार के करीब 7 लाख रुपये खर्च हो गए। शादी में सोनू चौहान की मां माया देवी ने लड़की की मां बनकर कन्यादान किया, जबकि उसकी बहन शिल्पी और जीजा राघवेंद्र भी घराती बनकर शामिल हुए। विदाई के बाद दुल्हन ससुराल आ गई, लेकिन वह दिन-रात अपने मोबाइल फोन पर किसी के साथ चैट करने में डूबी रहती थी। दुल्हन के इस अजीब बर्ताव से परेशान होकर एक रात पति रतन लाल ने चुपके से उसका व्हाट्सएप चेक कर लिया, जिसे देखते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

मजबूरी का फायदा उठाकर पड़ोसी ने बुना जाल

फरियादी 35 वर्षीय रतन लाल मूल रूप से जबलपुर का रहने वाला है और वहां एक निजी अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में टीम लीडर है। पांच भाइयों के परिवार में काफी समय से किसी की शादी नहीं हो पा रही थी, जिससे पूरा परिवार परेशान था। रतन लाल के पड़ोसी सोनू तिवारी को इस मजबूरी का पता था और उसने इसी का फायदा उठाकर ठग गिरोह के साथ मिलकर एक जाल बुना। सोनू तिवारी ने रतन लाल के परिवार को बताया कि मुरैना का उसका एक दोस्त सोनू उर्फ अजय चौहान अपनी बेहद गरीब मुंहबोली बहन राधा उर्फ दीक्षा मुद्गल के लिए लड़का ढूंढ रहा है। परिवार ने फोटो देखी, ग्वालियर आकर मुलाकात की और दोनों पक्षों की रजामंदी से रिश्ता तय हो गया।

व्हाट्सएप चैट ने खोला राज

चैट से सनसनीखेज खुलासा हुआ कि भाई बनने वाला सोनू चौहान ही दीक्षा का असली पति है, जिन्होंने साल 2024 में आगरा के आर्य समाज मंदिर में लव मैरिज की थी। यह गिरोह शादी का ढोंग रचकर घर के सारे जेवर और नकदी लूटकर भागने की फिराक में था।

गर्लफ्रेंड की शर्त पूरी करने यूपी से दतिया पहुंचा युवक

कलेक्ट्रेट में बेहोश होकर गिरा, कलेक्टर वानखेड़े से मिलने की थी शर्त, मिले तो बोला- अब ब्रेकअप होने से बच गया

दतिया (नप्र)। दतिया कलेक्ट्रेट में सोमवार को एक रोचक घटना घटी। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले का रहने वाला 26 वर्षीय राजकुमार गुप्ता अपनी गर्लफ्रेंड की एक शर्त पूरी करने के लिए दतिया पहुंच गया।

गर्लफ्रेंड ने कहा था कि अगर वह सच में उससे प्यार करता है तो दतिया जाकर कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े से मिलकर दिखाए। इसी बात को दिल पर लेकर राजकुमार यूपी से लंबा सफर तय कर दतिया पहुंचा।

कलेक्ट्रेट पहुंचते ही तबीयत बिगड़ी- पेशे से टैक्सी ड्राइवर राजकुमार सोशल मीडिया पर कलेक्टर वानखेड़े के काम और व्यक्तित्व से काफी प्रभावित था। उसने बताया कि वह शुक्रवार को ट्रेन से झांसी पहुंचा और वहां से बस के जरिए दतिया आया। दतिया पहुंचकर वह एक होटल में रुका। शनिवार को वह कलेक्ट्रेट पहुंचा, लेकिन अवकाश होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। रविवार का दिन भी उसे होटल में ही बिताना पड़ा।

सोमवार दोपहर वह एक बार फिर कलेक्ट्रेट पहुंचा। उसी समय वहां टीएल मीटिंग चल रही थी। तेज गर्मी और लगातार सफर की थकान के कारण अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। पानी पीते समय उसे सिर में दर्द हुआ और वह कलेक्ट्रेट परिसर में बेहोश होकर गिर पड़ा।

अस्पताल पहुंचकर राजकुमार से मिले कलेक्टर

मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत उसे संभाला। युवक को सिविल सर्जन डॉ. के.सी. राठौर की कार से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। करीब दो घंटे बाद कलेक्टर खुद जिला अस्पताल पहुंचे और राजकुमार से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने युवक के साथ फोटो और सेल्फी भी खिंचवाई। राजकुमार ने बताया कि दतिया में रुकने और यात्रा के दौरान उसके सारे पैसे खत्म हो गए। यहां तक कि होटल का किराया देने के लिए भी उसके पास रकम नहीं बची। उसने अपने एक परिचित से फोन पर मदद मांगी है।

बोला- ब्रेकअप होने से बच गया

अस्पताल में कलेक्टर से मुलाकात के बाद राजकुमार काफी खुश नजर आया। उसने बताया कि उसकी सबसे बड़ी इच्छा कलेक्टर से मिलकर फोटो खिंचवाने की थी, जो अब पूरी हो गई। उसने तुरंत फोटो और वीडियो अपनी गर्लफ्रेंड को भेज दिए।

राजकुमार ने बताया कि कलेक्टर साहब ने मुझसे कहा है कि पहले ठीक हो जाओ फिर बंगले पर आना। मेरी यही इच्छा थी कि मैं उनसे ऑफिस में मिलूं।

राजकुमार ने मुस्कुराते हुए कहा कि उसकी गर्लफ्रेंड अब बहुत खुश है और उसका ब्रेकअप होने से बच गया। उसने बताया कि गर्लफ्रेंड ने साफ कह दिया था कि अगर वह कलेक्टर से नहीं मिल पाया तो उससे बात नहीं करेगी।

समाज बोला- जैन संतों की हत्या हुई

एनएचआरसी ने डीजीपी-सीएस को जारी किया नोटिस

रीवा/भोपाल/इंदौर/विदिशा/मैहर (नप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा में 3 साध्वियों को कार से कुचलने के खिलाफ जैन समाज में आक्रोश है। मध्य प्रदेश समेत देश के कई शहरों में प्रदर्शन किया। मौन जुलूस और रैलियां निकालीं। संत सुरक्षा प्रोटोकॉल और संत सुरक्षा नीति लागू करने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जैन समाज के लोगों ने कहा- जैन संतों की हत्या की गई है। यह घटना केवल दो संतों की हत्या नहीं, बल्कि जैन धर्म के मूल सिद्धांत 'अहिंसा' पर सीधा हमला है। वहीं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल जैन धर्मशाला पहुंचे। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी वीडियो देखकर साफ लग रहा है कि कार चढ़ाई गई है। वहीं विदिशा के विनोद के. शाह की शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन और डीजीपी कैलाश मकवाना को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दो सप्ताह में कार्रवाई प्रतिवेदन मांगा है। आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो ने जानकारी दी है। मध्य प्रदेश में के भोपाल-इंदौर के अलावा रीवा, सतना, मैहर, विदिशा, गुना, रतलाम, देवास, अमरपाटन, छतरपुर, पन्ना, खातेगांव समेत कई शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। हाथों में तख्तियां और काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण मार्च निकाला।

ग्वालियर, सागर, पन्ना, धार, रीवा कलेक्टर जाएंगे ट्रेनिंग लेने

ब्राह्मणों की बेटियों पर विवादित बयान देने वाले आईएएस संतोष वर्मा को भी सुशासन सिखाने बुलाया

भोपाल(नप्र)। ब्राह्मणों की बेटियों को लेकर विवादित बयान देने वाले आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा को मसूरी में प्रशासन चलाने और सुशासन की ट्रेनिंग दी जाएगी। विवादित बयान देने के बाद सामाजिक विरोध झेल रहे इस अधिकारी को पांच माह से अधिक समय से सरकार ने बिना काम के बैठा रखा है। मसूरी में सुशासन और बदलते दौर व बदलती तकनीक के साथ कदमताल करते हुए सुशासन की ट्रेनिंग के लिए 46 आईएएस अफसर भी जाएंगे। 15 जून से 10 जुलाई तक मसूरी में होने वाली चौथे फेज की मिड करियर ट्रेनिंग के लिए ये अफसर चिन्हित किए गए हैं, जिसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने करियर ट्रेनिंग पर जाने के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसमें कलेक्टर ग्वालियर, रीवा, धार, पन्ना, सागर और संभागायुक्त उज्जैन के भी नाम हैं। इन अधिकारियों ने अब तक मिड करियर ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया है।

2011 बैच के इन अफसरों की सेकेंड फेज ट्रेनिंग

वर्ष 2011 बैच के जिन आईएएस अफसरों का नाम प्रशिक्षण के लिए जाने वालों की सूची में शामिल हैं उसमें परियोजना संचालक स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट गिरीश शर्मा, अपर आयुक्त राजस्व भोपाल शिवराज सिंह वर्मा, कलेक्टर पन्ना उषा परमार, संचालक जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान सरिता बाला ओम प्रजापति, प्रबंध संचालक एमपीएसईडीसी चंद्रमौली शुक्ला, प्रबंध संचालक जल निगम वीएस चौधरी कोलसानी, कलेक्टर ग्वालियर रुचिका चौहान, ओएसडी सह आयुक्त पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौरभ कुमार सुमन, संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह, अपर सचिव जनजातीय कार्य विभाग नेहा मारव्या सिंह, आयुक्त रेशम मोहित बुंदस शामिल हैं।

2012 बैच के ये अफसर जाएंगे- 2012 बैच के जिन अफसर को मसूरी भेजा जाएगा उसमें सीईओ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हर्षिका सिंह, अपर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग अजय कटेसरिया, आयुक्त महिला और बाल विकास निधि निवेदिता, अपर सचिव वित्त विभाग, रोहित सिंह, ओएसडी सह आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी स्वरोचिष सोमवंशी, प्रबंध संचालक राज्य भंडार गृह निगम अनुराग वर्मा, सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल, धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा शामिल हैं। इसके अलावा सीईओ एमपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण दीपक आर्य, अपर सचिव गृह आशीष भार्गव, ओएसडी सह आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा, एमडी राज्य कृषि विपणन बोर्ड कुमार पुरुषोत्तम, अपर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग सुभाष कुमार द्विवेदी, अपर आयुक्त राजस्व उज्जैन रत्नाकर झा, अपर सचिव विमानन धरर्णेन्द्र कुमार जैन, कलेक्टर रीवा नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, अपर सचिव वाणिज्यिक कर विभाग राजेश ओगरे, अपर सचिव मुख्यमंत्री अरुण कुमार परमारस उप सचिव संतोष कुमार वर्मा, अपर सचिव वन विभाग राजेश बाथम शामिल हैं।

2010 बैच के ये अफसर जाएंगे मसूरी

वर्ष 2010 बैच के जिन अधिकारियों को तीसरे फेज में प्रशिक्षण के लिए मसूरी भेजा जाना है उसमें आयुक्त वाणिज्यक कर इंदौर अनय द्विवेदी, आयुक्त आदिवासी विकास तरुण राठी, प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ अभिजीत अग्रवाल, आयुक्त सह संचालक खाद्य विभाग कर्मवीर शर्मा, सचिव मुख्यमंत्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, प्रबंध संचालक मत्स्य महासंघ अनुराग चौधरी, आयुक्त कोष एवं लेखा भास्कर लक्षकार, आयुक्त उज्जैन संभाग आशीष सिंह को भेजा जाएगा।

2009 बैच के ये अफसर भी सीखेंगे सुशासन के गुर

वर्ष 2009 बैच के जिन अधिकारियों को मसूरी में सुशासन के गुर सीखने के लिए भेजा जाएगा उनमें प्रबंध संचालक पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अजय गुप्ता, आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह, सचिव मुख्यमंत्री इलैया राजा टी, पंजीयन महानिरीक्षक मुद्रांक एवं पंजीयन अमित तोमर शामिल हैं।

2004 और 2008 बैच के अफसरों को भी बुलाया

इसके साथ ही वर्ष 2008 बैच के आईएएस अफसर प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश भवन विकास निगम सिबि चक्रवर्ती एम और सचिव गृह विभाग शिल्पा गुप्ता तथा 2004 बैच के अधिकारी और सचिव वित्त विभाग लोकेश कुमार जाटव को भी मसूरी ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा।